केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 212 गुरूवार 22 फरवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सपा–कांग्रेस में सीटों पर समझौता, 17 पर लड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव को लेकर सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन पर मुहर लग गई। दोनों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का औपचारिक ऐलान बुधवार की शाम कर दिया। यूपी में 80 में से 17 सीटों पर कांग्रेस लड़ेगी। अन्य 63 सीटों पर सपा और उसके सहयोगी लड़ेंगे। कांग्रेस ने भी सपा को एमपी में एक सीट दी है। सपा एमपी में खजुराहो सीट पर लड़ेगी। सपा ने यूपी में अपने हिस्से की एक सीट आजाद समाज पार्टी को दी है। नगीना सीट पर उसके नेता चंद्रशेखर आजाद का लड़ना पहले से ही फाइनल है। सपा ने कांग्रेस को रायबरेली, अमेठी, कानपुर नगर, फतेहपुर सीकरी, बांसगांव, सहारनपुर, प्रयागराज, महराजगंज, वाराणसी, अमरोहा, झांसी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, मथुरा, सीतापुर, बाराबंकी, देवरिया सीट दी है।

लखनऊ में बुधवार को सपा और कांग्रेस के प्रदेश स्तरीय नेताओं ने संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में सीटों के समझौते का ऐलान किया। कांग्रेस की ओर से प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय और प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मौजूद रहे। सपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल और प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी की मौजूदगी में समझौते का ऐलान हुआ।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने इस गठबंधन को अंजाम तक पहुंचने में बहुत अहम भूमिका अदा की है। वह उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए सभी पार्टियों को एक साथ लाने का जो प्रयास कर रही हैं, इसके लिए वह उनका आभार प्रकट करते हैं।

बोर्ड परीक्षा 22 से

लखनऊ (आभा)। यूपी बोर्ड परीक्षा में किसी भी तरह की गड़बड़ी और मिलीभगत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी और जेल भी भेजा जाएगा। 22 फरवरी से शुरू हो रही परीक्षा 12 कार्य दिवसों में पूरी होकर 9 मार्च को समाप्त हो जाएगी।

लखनऊ में यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार ने प्रेसवार्ता की और तैयारियों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रीक्षा समाप्त होने से पहले पेपर सोशल मीडिया पर वायरल करने पर कड़ी कार्यवाई की जाएगी। वहीं, भ्रामक खबरों की जानकारी व सच का पता लगाने के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम का भी गठन किया गया है।

रिंग रोड परियोजना के भूस्वामियों में प्रतिकर वितरित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारत सरकार द्वारा संचालित जनपद में बस्ती रिंग रोड परियोजना से प्रभावित 54 ग्राम के भू–स्वामियों को सांसद हरिश द्विवेदी ने प्रतिकर वितरण का भुगतान चेक के माध्यम से कलेक्ट्रेट सभागार में प्रदान किया। उन्होने अपने संबोधन में कहा कि रिंग रोड (फोरलेन) परियोजना की कुल लम्बाई 22.150 किमी. तथा परियोजना की लागत रू. 1138.72 करोड. है। इस कार्य में योगदान देने वाले किसानों तथा एसएलओ टीम को उन्होने बधाई दिया और कहा कि रिंग रोड बनने से जिले का विकास तेजी से होगा तथा रोजगार का अवसर भी प्राप्त होंगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, एसडीएम गुलाब चन्द्र, आशुतोष तिवारी, विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी रमेश यादव सहित किसानगण उपस्थित रहें।

हिंसक हुआ किसान आन्दोलन एक की मौत, 25 घायल

नई दिल्ली (आभा)। अपनी मांगों को लेकर सरकार से भिड़ने को तैयार किसान शंभू और खनौरी सीमा पर बड़ी संख्या में ट्रैक्टर इकट्ठा कर रहे हैं। किसानों की दिल्ली कूच की प्लानिंग है। हालांकि पुलिस ने दोनों सीमाओं पर किसानों को रोककर रखा है। इस बीच खबर है कि किसानों ने अपना आंदोलन फिर से हिंसक कर दिया। बेरिकेडिंग हटाने के लिए जोर–जबरदस्ती करने की कोशिश में उनकी पुलिस से झड़प हो गई। इसके बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और खदेड़ने के लिए रबर की गोलियों का इस्तेमाल किया। इस घटना में 20 वर्षीय प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए, जिसमें दो की हालत गंभीर है।

घायल किसानों में से दस को अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य को शंभू के अस्थायी चिकित्सा शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया। घायल किसानों में से तीन को राजिंदरा अस्पताल, पटियाला रेफर कर दिया गया। संगरूर के सिविल सर्जन डॉ कृपाल सिंह ने कहा कि 26 वर्षीय युवक के सिर में चोट लगी है और उसे राजिंदरा अस्पताल रेफर किया गया है। ऐसी जानकारी है कि प्रदर्शनकारी किसान की मौत की सूचना के बाद फिलहाल पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागने बंद कर दिए हैं।

मां ने एसपी से लगाया बेटे से मिलाने की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसुरामपुर थाना क्षेत्र की मोहम्मदपुर निवासिनी मनीषा पुत्री रामलौट ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर अपने बेटे से मिलने का गुहार लगाया है।

पत्र में मनीषा ने कहा है कि उसका विवाह रमेश पुत्र आज्ञाराम निवासी ग्राम मरवटिया थाना परसुरामपुर से हुआ है। उसके दो बच्चे प्रियांशी 10 वर्ष और ऋषभ 6 वर्ष है। ससुराल में उसका शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा था जिससे दुःखी होकर वह मायके आ गयी। उसके तहरीर पर परसुरामपुर पुलिस ने भादवि की धारा 498 ए, 323, 504, 506 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। उसके सास, ससुर ने उसके बेटे और सारा जेवर छीन लिया है और वह अपने बेटे को देख भी नहीं पा रही है। बेटी प्रियांशी उसके पास है। वह अपने बेटे ऋषभ से मिलना चाहती है किन्तु उसके ससुर और पति डाट फटकार कर भगा देते हैं और जान से मार डालने की धमकी देते हैं। वह मातृत्व सुख से वंचित हो रही है। उसने मांग किया है कि उसे अपने बेटे से मिलने दिया जाय।

संत रविदास जयंती पर मंदिरों पर साफ सफाई, प्रकाश व्यवस्था कराने की मांग

–भारत मुक्ति मोर्चा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने बुधवार को जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग किया कि आगामी 24 फरवरी को संत रविदास जयंती के कार्यक्रमों को देखते हुये जनपद के सभी रविदास मंदिरों पर विशेष साफ सफाई और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद के अनेक रविदास मंदिर घोर उपेक्षा के शिकार हैं और पर्याप्त साफ सफाई तक की व्यवस्था नहीं है। मोर्चा के चन्द्रिका प्रसाद ने कहा कि 24 फरवरी को संत रविदास जयंती पर अनेक स्थानों पर मेले लगते है और कार्यक्रम होते हैं। इसे देखते हुये जनपद के सभी रविदास मंदिरों पर विशेष साफ सफाई और प्रकाश व्यवस्था आवश्यक है।

जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से हृदय गौतम, रामलौट दास, ठाकुर प्रेम कुमार नन्दबंशी, बुद्ध प्रिय पासवान, चन्द्रप्रकाश, राम सुमेर यादव, चन्द्रभान एडवोकेट, भैयालाल के साथ ही मोर्चा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

ग्राम समाज की भूमि से कब्जा हटाये जाने की मांग

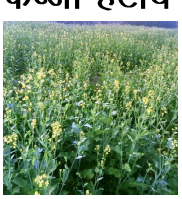

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रूधौली तहसील क्षेत्र के मूडाडीहा उर्फ भूपालपुर निवासी गिरीश चन्द्र सिंह ने उप जिलाधिकारी को पत्र देकर एवं तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर ग्राम समाज की भूमि से कब्जा हटाये जाने की मांग किया है।

पत्र में गिरीश चन्द्र सिंह ने कहा है कि मूडाडीहा उर्फ भूपालपुर ग्रामसभा के गडही गाटा संख्या 239/0.253, चक मार्ग गाटा संख्या 317/0.127 हेक्टेयर बंजर, 240/0.187 आदि पर गांव के ही अजय कुमार पाण्डेय पुत्र हरिशंकर ने जबरिया कब्जा कर रखा है और इस भूमि पर खेती करते हैं। पत्र में कहा गया है कि अजय कुमार पाण्डेय प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उनके विरूद्ध आवाज उठाने से लोग डरते हैं। यही नहीं तहसील के लेखपाल व कर्मचारी भी बंजर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने का साहस नहीं जुटा पाते। बंजर जमीन पर जबरिया कब्जा कर लिये जाने के कारण लोगों का नुकसान हो रहा है। उन्होने सार्वजनिक ग्राम सभा की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने की मांग अधिकारियों से किया है।

किसानों पर लाठी, गोली चलाने वाली भाजपा किसी की हितैषी नहीं– राम प्रसाद चौधरी

–पी.डी.ए. जन पंचायत में समाजवादियों ने भाजपा पर साधा निशाना
–लोकतंत्र का चीर हरण करने वाली भाजपा से सावधान रहें मतदाता– महेन्द्रनाथ यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बुधवार को समाजवादी पार्टी द्वारा सदर विधानसभा क्षेत्र के ओडवारा के निकट मकबूलगंज चौराहे पर पी.डी.ए. जन पंचायत का आयोजन किया गया। लोकसभा 61 से सपा प्रत्याशी एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि किसानों पर लाठी और गोलियां चलवाने वाली भाजपा की सरकार को किसान और नौजवान मिलकर मुंहतोड़ जबाब देंगे। कहा कि केन्द्र और उत्ती प्रदेश की भाजपा सरकार नौजवानों, किसानों, व्यापारियों और समाज के सभी वर्गों को धोखा दे रही है। यह जुमलों वाली सरकार है, मतदाता इससे सावधान रहे। कहा कि समाजवादी सोच से ही विकास का रास्ता निकलेगा। उन्होने कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे सत्ता और व्यवस्था परिवर्तन के लिये पूरी ताकत से जुट जाय। जुल्म और अत्याचार का डटकर विरोध करें।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बस्ती के लोग परिवर्तन का मन बना चुके हैं। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने वालों को मतदाता अपने वोट की ताकत से करारा जबाब देंगे। कहा कि भाजपा सभी वर्गों को लगातार धोखा दे रही है। मतदाता अब इस सच्चाई को समझ चुके है। कहा कि भाजपा षड़यंत्रपूर्वक लोकतंत्र का चीरहरण कर रही है। चण्डीगढ मेयर मामले में सर्वोच्च न्यायालय की पहल से सत्य की जीत हुई। हम सब एकजुट रहे तो भाजपा को आसानी से परास्त कर देंगे क्योंकि मतदाता अब भाजपा के झूठे जुमलों से ऊब चुके है। विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल के साथ ही समीर चौधरी, चन्द्रिका यादव, जावेद पिण्डारी, राम शंकर निराला आदि ने सम्बोधित करते हुये उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि वे बहकावे में न आये और सपा की जीत सुनिश्चित करने के लिये पूरी ताकत झोंक दें। सपा सरकार के कार्यों की याद दिलाते हुये वक्ताओं ने कहा कि भाजपा गरीबों, किसानों, नौजवानों का हक छीनकर पूंजीपतियों को मजबूत कर रही है, इनके षड़यंत्रों से सावधान रहना होगा। अध्यक्षता करते हुये अमानत अली 'भुट्टुर' ने कहा कि पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित के साथ ही समाज के सभी वर्गो का हित सपा में ही सुरक्षित है।

पी.डी.ए. जन पंचायत में मुख्य रूप से कैलाश चन्द्र, लालजीत चौधरी, उदयराज विश्वकर्मा, अरविन्द सोनकर, दिनेश तिवारी, प्रशान्त यादव, विपिन त्रिपाठी, वीरेन्द्र यादव, विनय यादव 'भोला' मो. हारिश, बब्बन चौधरी, पन्नालाल, अशोक यादव, संदीप निषाद, वृजेश चौधरी, बदरूद्दीन, अजय यादव, बलराम यादव, गौरीशंकर यादव, दिलीप कुमार, स्वामीनाथ यादव के साथ ही बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

नगरपालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, अंकुर वर्मा भाजपा में शामिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, महामंत्री अमरपाल मौर्य की उपस्थिति में हर्रैया नगर पंचायत से चेयरमैंन रहे राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, सपा से नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, सपा नेता अंकुर वर्मा, बसपा से मुण्डेरवा नगर पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह सहित कई सभासद उनके समर्थक औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हुए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र नगर अध्यक्ष अलोक पाण्डेय भी मौजूद रहे। इन लोगो के भाजपा में शामिल होने की चर्चा पहले से ही थी, जिस आज विराम लग गया। लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय पर ने प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी उपमुख्यमन्त्री केशव प्रसाद मौर्या व उपमुख्यमन्त्री बृजेश पाठक ने कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। वही बस्ती भाजपाईयो में भी काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा, सपा नेता अंकुर वर्मा के भाजपा में शामिल होने से जहां भाजपाई खुश है वहीं सपा को करारा झटका लगा है। सपा के पूर्व नेता सिद्धेश सिन्हा ने कहा कि यदि सपा ने निष्ठावान कार्यकर्ता को चुनाव मैंदान में उतारा होता तो वह भाजपा में शामिल न होता।

अध्यक्ष राजस्व परिषद हेमन्त राव ने किया कार्यालयों का निरीक्षण, दिया निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । अध्यक्ष राजस्व परिषद हेमन्त राव ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर संयुक्त कार्यालय, अभिलेखागार, भूलेख अनुभाग तथा आपदा प्रबंधन कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया है कि आवेदन प्राप्ति तथा कार्रवाई हेतु संबंधित कार्यालय को भेजे जाने की तिथि भी रजिस्टर में अंकित की जाए। मुख्यमंत्री दुर्घटना कृषक बीमा योजना के दावो के निस्तारण में समय सीमा का ध्यान रखा जाए। प्राप्त प्रकरण में निर्णय लेने के लिए प्रत्येक माह की 20 तारीख को बैठक अवश्य करायी जाए।

उन्होंने संयुक्त कार्यालय में न्याय सहायक से राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के संबंध में जानकारी लिया। शस्त्र पटल पर उन्होंने नवीनीकरण आवेदन पत्र प्राप्त करने, उसे जांच के लिए संबंधित थाने को भेजना तथा रिपोर्ट प्राप्त होने पर रजिस्टर में दर्जसंयुक्त कार्यालय में उन्होंने मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष, चरित्र प्रमाण पत्र जारी करने तथा विविध पत्रावलियों का निरीक्षण किया। अभिलेखागार पहुंचकर उन्होंने नकल के लिए 16 फरवरी को प्राप्त आवेदन पत्र की जानकारी हासिल किया। उन्हें बताया गया कि कुल 124 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 88 का नकल उसी दिन जारी कर दिया गया।

भूलेख अधिष्ठान का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्रपत्रों को कंप्यूटराइज किया जाए तथा सॉफ्ट कॉपी में भी उसे सुरक्षित रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिया की रजिस्टर में भुगतान की तिथि के भी डेट लिखी जाए। आपदा प्रबंधन अनुभाग का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कंबल खरीद तथा प्राकृतिक आपदा में दी गई आर्थिक सहायता की जानकारी लिया। उन्हें बताया गया कि जैम पोर्टल से 8790 कंबल खरीद कर वितरित किए गए हैं। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त अखिलेश सिंह, जिलाधिकारी अंद्रा वामसी, एडीएम कमलेश चन्द्र, सीआरओ संजीव ओझा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट शाहिद अहमद, उप जिलाधिकारी गुलाब चन्द्र, विनोद पाण्डेय, शत्रुहन पाठक तथा पटल सहायक उपस्थित रहें। इसके पूर्व उन्होने हर्रैया तहसील का निरीक्षण किया।

महिलाओं को मिले बराबरी का अधिकार- वीना सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह के तहत इस साल के थीम इन्वेस्ट इन वीमेन एक्सलेरेट प्रोग्रेस यानी महिलाओं में निवेश करें और प्रगति में तेजी लाएं विषय पर एक दिवसीय ट्रेनिंग कार्यशाला, सेमिनार और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब बस्ती में विश्व युवक केंद्र नई दिल्ली और युवा विकास समिति के तत्वाधान में किया गया। जिसमें इनमें उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान हुआ, तो वहीं ट्रेनिंग कार्यशाला, सेमीनार और डाक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग के जरिये से महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन को लेकर विचार–विमर्श हुआ।

इस मौके पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बाल कल्याण अधिकारी वीना सिंह नें कहा की ने कहा कि गांवों में किसान महिलाएं पुरुषों की ही तरह कड़ी मेहनत कर रही हैं। इसलिए उन्हें बराबर का अधिकार भी मिलना जरूरी है। अब बैंक खाते से लेकर जमीन पर अधिकार में उनका नाम दर्ज होता है। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं के संपत्ति में अधिकार की शुरुआत हुई है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बस्ती–2 शाखा के प्रबंधक अशोक तिवारी नें महिलाओं के बराबरी के लिए संचालित बैकिंग योजानाओं के बारे में जानकारी दी।

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शिवेंद्र मोहन पाण्डेय नें महिलाओं के व्यक्तित्व के विकास पर जोर देने की बात कही और स्वयं के व्यक्तित्व को निखारने के तरीकों को भी बताया। राजकीय कन्या इन्टर कालेज की प्रधानाचार्या नीलम सिंह नें महिलाओं की नेतृत्व क्षमता के विकास और सशक्तिकरण को परिवार और समाज में निर्धारित भूमिका के आधार पर समझाने का प्रयास किया।

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय की प्रभारी डॉ लक्ष्मी सिंह नें कहा कि नारी शुरू से ही सशक्त है। सिर्फ उन्हें याद दिलाने की जरूरत है। नारी से ही जगत है, इसलिए नारी को ही शक्ति रूपा आदि स्वरूपा भी कहा गया है. प्रत्येक क्षेत्र में नारी स्वयं आगे बढ़ रही है।

डॉ. नवीन सिंह नें कहा की महिलाओं को एक नागरिक होने की हैसियत से यह अधिकार है कि उनके नाम से संपत्ति हो। इसका गहरा प्रभाव उनकी जिंदगी पर पड़ता है। नेशनल हैण्ड बाल खिलाड़ी हिना खातून नें कहा कि आज भी खेल में सबसे ज्यादा मैडल महिलाएं लाती हैं, इससे यह साबित होता है की महिलाएं कमजोर नहीं है।

सेमीनार के दौरान उपस्थित लोगों को महिला अधिकारों के प्रति संवेदित करने के लिए मर्द, मुस्कान, फाइव डेज फिल्में दिखाई गई।इस मौके पर शुभ्रा सिंह, नीलम मिश्र, संध्या दीक्षित, मो. इकबाल, गरुनाध्वज पाण्डेय, डॉ प्रेम शंकर, डॉ. कल्पना. डॉ. श्रृंखला श्रीवास्तव,डॉ पूजा श्रीवास्तव, सन्नो दूबे, अरुण कुमार, सरिता सावलानी,अरविन्द बहादुर पाल, रिंकी सावलानी, अनुराधा गुप्ता, सुधांशु अग्रवाल, अनुराग श्रीवास्तव, डॉ ज्योति सिंह, सरिता शुक्ला, श्वेता श्रीवास्तव,संजय गौतम, लक्ष्मी अरोड़ा, विशाल पाण्डेय, राम मोहन पाल, डॉ शकील सिद्दीकी सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

शिक्षा में तकनीकी क्रान्ति के लिये भाजपा सरकार की पहल सराहनीय– राकेश चतुर्वेदी

–दो हजार छात्रों में स्मार्ट फोन का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पं. राजन महिला डिग्री कालेज, जीएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय और राकेश चतुर्वेदी डिग्री कालेज के प्रबंधक एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि कालेजों में बेहतर शिक्षा के लिये निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। तीनों विद्यालयों के लगभग दो हजार छात्रों में स्मार्ट फोन का वितरण राजन इण्टर नेशनल एकेडमी के परिसर में सांसद हरीश द्विवेदी ने वितरित किया।

राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच छात्रों ने जहां मन मोह लिया वहीं अब वे स्मार्ट फोन के द्वारा संचार तकनीक से जुड़कर और बेहतर शिक्षा हासिल कर सकेंगे। कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार शिक्षा क्षेत्र में विकास के लिये निरन्तर प्रयत्नशील है। स्मार्ट फोन का वितरण उसी का हिस्सा है जिससे छात्रों का बहु आयामी व्यक्तित्व विकसित हो और वे संचार क्रान्ति के माध्यम से देश दुनिया के किसी भी हिस्से से जुडकर ज्ञानार्जन कर सके। राकेश चतुर्वेदी ने सांसद हरीश द्विवेदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुये कहा कि उन्होने छात्रों में स्मार्ट फोन वितरण के साथ ही महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

स्मार्ट फोन का वितरण कार्यक्रम में महाविद्यालयों के प्राचार्य, संजीव पाण्डेय, अमित मिश्रा, सौरभ पाण्डेय, सानू एन्टोनी, मनीष मिश्रा, जितेन्द्र यादव, राम स्वरूप यादव शिक्षकों के साथ ही प्रमोद पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, आशीष शुक्ल के साथ ही अनेक प्रबुद्ध वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 फरवरी 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

आन्दोलन और इंटरनेट पर पाबंदी

हालिया किसान आंदोलन के चलते हरियाणा व पंजाब में इंटरनेट पर लगी पाबंदी से एक बार फिर सवाल उठा है कि क्या कानून–व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर लाखों नागरिकों का जीवन बाधित किया जा सकता है? सही मायनों में आधुनिक युग में इंटरनेट जीवन प्रवाह का पर्याय बनकर उभरा है। यहां तक कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी कर चुका है कि इंटरनेट के माध्यम से सूचना तक पहुंच भारतीय संविधान के तहत दिया गया एक मौलिक अधिकार है। एक मामले में कोर्ट ने कहा कि यदि सरकार कानून व्यवस्था के नाम पर इंटरनेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाती है तो वह अस्थायी, एक दायरे में सीमित, कानूनी तौर पर वैध और अपरिहार्य होना चाहिए। एक संसदीय समिति ने भी अपनी रिपोर्ट में इंटरनेट प्रतिबंध से जुड़े सरकार के फैसलों पर सवालिया निशान लगाते हुए इस मामले में ज्यादा पारदर्शिता अपनाने की जरूरत बतायी। हालांकि, अक्सर सरकार की दलील होती है कि यह प्रतिबंध सुरक्षा–कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए लगाया गया। वैसे भारत समेत दुनिया के तमाम देशों में यह बहस पुरानी है कि इंटरनेट पर प्रतिबंध कब और क्यों लगाया जाना चाहिए। दरअसल, इससे न केवल नागरिकों की दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित होती है बल्कि कारोबार को भी करोड़ों का नुकसान उठाना पड़ता है। आजकल जब छात्र बोर्ड की परीक्षाओं में लगे हैं तो उनकी परेशानियों का अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। देश के विभिन्न भागों में गाहे–बगाहे लगने वाले इंटरनेट प्रतिबंधों को दुनिया में बड़ी गंभीरता से लिया जाता है और इसे गैर–लोकतांत्रिक कदम के तौर पर देखा जाता है। हाल के वर्षों में भारत में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने की प्रवृत्ति इतनी अधिक देखी गई है कि भारत को इंटरनेट शटडाउन का बादशाह तक कह दिया जाता है। बताते हैं कि वर्ष 2021 में दुनिया में इंटरनेट प्रतिबंध के जो 182 मामले दर्ज किये गए, उसमें 106 भारत में हुए।

एक समय था कि सड़कों पर आवाजाही बंद होने और परिवहन सेवा–बाजार बंद होने को जन–जीवन ठप होना कहा जाता है। लेकिन यदि आज इंटरनेट बंद हो जाए तो सही मायनों में जन–जीवन ठप हो जाता है। अभिव्यक्ति और मनोरंजन से इतर इंटरनेट सेवा बंद होने से सबसे बड़ी आर्थिक चोट पहुंचती है। एक घंटे इंटरनेट बंद होने से करोड़ों का नुकसान होता है। एक तरफ तो सरकार डिजिटल इंडिया की कामयाबी पर इतराती है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा बैंकिंग, कारोबार, लेन–देन और पढ़ाई को ऑनलाइन करने की दुहाई देती है। वहीं दूसरी ओर एक झटके में इंटरनेट पर प्रतिबंध लगा देती है। भले ही इंटरनेट और अन्य कंपनियों में पश्चिमी देशों के अपने आर्थिक हित निहित होते हैं। उनके मानवाधिकार के पैमाने अपने होते हैं। अमेरिका में अश्वेत आंदोलन के दौरान इंटरनेट पर अपरोक्ष रूप से प्रभाव डाला गया। एक पर्यावरण आंदोलन के दौरान ब्रिटेन में भी प्रतिबंध देखा गया। लेकिन इसके बावजूद उनका तर्क होता है कि इंटरनेट शटडाउन गैर–कानून और मानवाधिकारों का उल्लंघन है। भारत में खासकर जम्मू–कश्मीर में लंबे–लंबे इंटरनेट प्रतिबंधों पर वैश्विक स्तर पर सवाल उठते रहे हैं। वहीं सरकार का तर्क होता है कि प्रतिबंध की वजह चरमपंथियों के विरुद्ध होने वाले अभियान, अशांति फैलाने व राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के मकसद से लगाया जाता है। वहीं आलोचक इन तर्कों को सही नहीं ठहराते हैं क्योंकि इससे किसी के मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण होता है। साथ ही यह भी कि इसके फायदे कम और नुकसान ज्यादा होते हैं। लंबे प्रतिबंध से जहां करोड़ों लोग प्रभावित होते हैं, वहीं अरबों रुपये का नुकसान भी होता है। विगत में देखा गया है कि नागरिकता संशोधन विधेयक, किसान आंदोलन और कश्मीर में कई मौकों पर लंबे इंटरनेट प्रतिबंध लगे। जहां एक ओर राजनीति प्रेरित इंटरनेट प्रतिबंध की आलोचना होती है और इसे लोकतंत्र के लिये चुनौती बताया जाता है, वहीं सरकार दुष्प्रचार और साइबर हमलों को रोकने की दलील देती है। पश्चिमी देश मानते हैं कि साइबर स्पेस लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। वहीं कुछ सरकारें सोशल मीडिया कंपनियों की वजह से छोटे देशों के लोकतंत्र पर आने वाले खतरों की जवाबदेही तय करने की बात भी करती हैं।

राहुल गांधी की यूपी यात्रा और अमेठी

—अजय कुमार—

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अमेठी से गांधी परिवार के करीबी रिश्ते को लेकर सोनिया गांधी के 26 साल पहले दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी भी अमेठी से दिल का करीबी रिश्ता होने की बात को आज दोहरा रहे हैं। कांग्रेस नेत्री और गांधी परिवार की बेटी प्रियंका वाड्रा गाँधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने की चर्चा पर कांग्रेस आलाकमान भले ही चुप्पी साधे हुए है, लेकिन राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने काफी कुछ साफ कर दिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा जब अमेठी पहुंची तो लगे हाथ कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने राहुल गांधी के अमेठी से चुनाव लड़ने का संकेत देकर गाँधी परिवार की अमेठी–रायबरेली वाली सियासत को फिर जिंदा कर दिया है। यह दोनों वह संसदीय क्षेत्र हैं जिसका गांधी परिवार से काफी लगाव रहा है। जब कांग्रेस पूरे उत्तर प्रदेश में उखड़ गई तब भी अमेठी रायबरेली में उसकी जड़ें जमी रही थीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में जरूर अमेठी से गाँधी परिवार का सफाया हो गया था लेकिन यहां कांग्रेस अभी खत्म नहीं हुई है। गांधी परिवार भावनात्मक रूप से अपने आप को अमेठी से जोड़कर बड़ा उलटफेर करने की ताकत रखता है। खरगे ने राहुल गांधी की अमेठी से लोकसभा उम्मीदवारी की औपचारिक घोषणा नहीं की मगर अमेठी की जनता से यह जरूर कह दिया कि राहुल गांधी कल भी आपके साथ थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। इससे पूर्व सोनिया गांधी ने भी रायबरेली की जनता को लिखे भावनात्मक पत्र में अमेठी का जिक्र करके इसे गांधी परिवार के करीब बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अमेठी से गांधी परिवार के करीबी रिश्ते को लेकर सोनिया गांधी के 26 साल पहले दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी भी अमेठी से दिल का करीबी रिश्ता होने की बात को आज दोहरा रहे हैं। राहुल के अमेठी से चुनाव लड़ने के इरादों का साफ संदेश देते हुए खरगे ने इस संसदीय क्षेत्र की जनता से यह कहने से भी गुरेज नहीं किया कि भले ही क्षेत्र को कोई सांसद मिल सकता है, मगर राहुल गांधी जैसा इंसान उन्हें कहां मिलेगा। मगर इससे इत्तर अमेठी से चुनाव लड़ना गांधी परिवार के लिये अब आसान नहीं रह गया है। पिछले पांच वर्षों में अमेठी काफी बदल गया है। अमेठी की मौजूदा सांसद और केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी अमेठी की जनता के दिलों में अपनी जगह बना ली है। खास बात यह रही कि मल्लिकार्जुन खरगे भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में जब अमेठी पहुंचे तो राहुल गांधी की मौजूदगी में वहां हुई एक जनसभा में अमेठी के रास्ते उत्तर प्रदेश के मैदान में कांग्रेस के डटे रहने का एलान किया गया। अमेठी वासियों के साथ गांधी परिवार के निकट रिश्तों का जिक्र करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने एक शायरी की पंक्तियों– 'अगर तलाश करे कोई मिल ही जाएगा, मगर तुम्हारी तरह कौन हमको चाहेगा', के द्वारा राहुल के अमेठी के चुनावी रण में ताल ठोंकने की घोषणा की।

खरगे ने यह भी कहा कि अमेठी को भले ही कोई सांसद मिल जाए मगर राहुल जैसा सहज और सहृदयी इंसान कहां मिल पाएगा। शायरी की इन पंक्तियों के बाद खरगे ने कहा कि अमेठी के लोग भी यही बोलते हैं और राहुल गांधी को चाहते हैं। राहुल गांधी ने चुनाव लड़ने को लेकर भले ही सीधे कोई टीका–टिप्पणी नहीं की लेकिन अमेठी और यहां के लोगों के साथ गहरे प्यार और जुड़ाव का इजहार करते हुए सदैव उनका आभारी रहने की बात कह पुराने रिश्ते की डोर को आगे बढ़ाते रहने का संदेश दिया। अमेठी से रिश्ते की बुनियाद नई नहीं बल्कि दशकों पुरानी है।

खैर, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि राहुल गांधी और उससे पहले सोनिया गांधी के रिश्ते की बुनियाद अमेठी से नई नहीं बल्कि दशकों पुरानी है। इसका संदेश देने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष ने राजनीति में आने के बाद 1998 में पहली बार अमेठी आयी सोनिया गांधी के पूरे बयान को पढ़ा। इसमें सोनिया ने कहा था– 'मेरे मन में अमेठी के लोगों के प्रति अटूट प्रेम और आदर है। अमेठी मेरे पति की कर्मभूमि थी। उनके दिल में अमेठी के भाई–बहनों के लिए कितना प्यार और समर्पण था मैंने इसे गहराई से महसूस किया है। आपने हर हालात में हमारा साथ दिया है। ये बात हम कभी भूल नहीं सकते। खरगे ने कहा कि सोनिया गांधी की यही बात फिर राहुल गांधी ने दोहराई है। आपके साथ उनका गहरा संबंध और प्रेम है। कांग्रेस अध्यक्ष के इस बेलाग बयान का सार स्पष्ट है कि वर्तमान में केरल के वायनाड से लोकसभा सांसद राहुल गांधी 2019 की पराजय के बावजूद अमेठी का चुनावी रण नहीं छोड़ेंगे।

बहरहाल, जल्द ही अमेठी और रायबरेली को लेकर कांग्रेस निर्णय ले लेगी, मगर सवाल यह भी है कि यदि सपा–कांग्रेस में गठबंधन नहीं भी होता है तो क्या समाजवादी पार्टी रायबरेली और अमेठी में गांधी परिवार को पहले की तरह वॉकओवर दे सकती है। सपा कई बार गांधी परिवार के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारने का कारमाना कर चुकी है।

जयंत चौधरी ने संघर्ष की राह क्यों छोड़ दी

—रोहित कौशिक—

इस दौर के राजनीतिक माहौल को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब राजनीति में विचारधारा का महत्व कम होता जा रहा है। अपने स्वार्थ के लिए दूसरे पाले में बैठ जाना आम हो गया है। शायद यही कारण है कि इस दौर में ज्यादातर राजनेताओं की छवि विश्वसनीय नहीं रह गई। इस दौर के राजनीतिक माहौल को देखकर तो ऐसा लगता है कि अब राजनीति में विचारधारा का महत्व कम होता जा रहा है। अपने स्वार्थ के लिए दूसरे पाले में बैठ जाना आम हो गया है। शायद यही कारण है कि इस दौर में ज्यादातर राजनेताओं की छवि विश्वसनीय नहीं रह गई। हाल ही में आर.एल.डी. प्रमुख जयंत चौधरी उस विचारधारा के साथ खड़े हो गए, जिसका वे कई वर्षों से विरोध करते आ रहे थे। 12 फरवरी को उन्होंने स्वयं यह स्वीकार किया कि वे एन.डी.ए. के साथ जा रहे हैं। हालांकि उनका वह वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वह कह रहे हैं कि मैं कोई चवन्नी नहीं हूं, जो पलट जाऊं। एक सौदे के तहत अब वह पलट गए हैं। सवाल यह है कि क्या अब साम्प्रदायिकता उनके लिए कोई मुद्दा नहीं रहा।

जयंत चौधरी के दादा चौधरी चरण सिंह ने अपने संघर्ष और आदर्शों से किसान राजनीति को एक नई दिशा दी थी। किसान हितों से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। यही कारण है कि किसान नेता के रूप में उन्हें बहुत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यह विडम्बना ही है कि चौधरी चरण सिंह के पुत्र अजित सिंह को वह सम्मान प्राप्त नहीं हो सका। अजित सिंह ताउम्र इधर–उधर लुढ़कते रहे और अपना स्वतंत्र अस्तित्व नहीं बना सके। यही वजह है कि लोकसभा चुनाव में उन्हें अपने ही गढ़ बागपत और मुजफ्फरनगर में हार का सामना करना पड़ा।

सवाल यह है कि इतने वर्षों तक भाजपा की सरकार रहने के बावजूद चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न क्यों नहीं दिया गया? जाहिर है कि राजनीति के तहत ही उनको यह सम्मान दिया गया है। निश्चित रूप से इस सौदे में कुछ सीटें और मंत्री पद हैं। तो क्या जयंत चौधरी भी अपने ऊपर हुए लाठीचार्ज को भूलकर सौदागर हो गए हैं? जयंत चौधरी का स्वार्थ किसानों की शहादत पर भारी पड़ गया? पिछले कुछ वर्षों से जयंत जिस भाजपा को कोस रहे थे, एकदम से वह उन्हें चौधरी चरण सिंह के आदर्शों पर चलती हुई दिखाई देने लगी। सवाल यह है कि पिछले 10 सालों में उन्हें यह झलक क्यों दिखाई नहीं दी। जयंत चौधरी ने राज्यसभा में यह भी कहा कि हम चौधरी चरण सिंह जैसी शख्सियत को किसी गठजोड़ के बनने और टूटने तथा चुनाव लडने और जीतने तक क्यों सीमित रखना चाहते हैं। लेकिन जयंत चौधरी ने तो भारत रत्न और नए गठजोड़ के चक्कर में चौधरी चरण सिंह को स्वयं ही सीमित कर दिया।

दरअसल जयंत चौधरी गत कुछ वर्षों से अपनी अलग राह पर चल रहे थे। उनके क्रियाकलाप देखकर ऐसा लग रहा था कि वह चौधरी अजित सिंह से अलग छवि बनाएंगे और स्वतंत्र अस्तित्व बनाकर अपनी छाप छोड़ेंगे। दुर्भाग्य से जयंत चौधरी भी अजित सिंह की राह पर ही चल पड़े हैं। अगर वह चाहते तो लंबी लकीर खींच सकते थे लेकिन उन्होंने भाजपा की लकीर लंबी करने में दिलचस्पी दिखाई और पिछले 10 वर्षों की अपनी ही मेहनत पर पानी फेर दिया। आर.एल.डी. के विधायक और कार्यकर्त्ता भी उन पर ऐसा न करने का दबाव नहीं बना पाए।

गौरतलब है कि अखिलेश यादव ने जयंत को राज्य सभा भेजकर अपनी दोस्ती निभाई थी। अब मुख्य रूप से मुजफ्फरनगर सीट पर पेंच फंस गया था, जबकि भाजपा भी यह सीट उन्हें नहीं दे रही। क्या एक–दो सीटों के लिए अपनी विचारधारा बदली जा सकती है? किसानों को आज तक एम.एस.पी. की कानूनी गांरटी नहीं मिली। एक बार फिर किसान अपनी समस्याओं को लेकर भाजपा के खिलाफ सड़कों पर हैं। किसान आंदोलन के दौरान लंबे समय तक भाजपा की हठधर्मिता के जयंत भी गवाह रहे हैं। क्या अब किसानों के लिए वास्तव में रामराज्य आ गया है? क्या अब किसानों की समस्याएं खत्म हो गई हैं? किसानों के लिए रामराज्य आए या न आए लेकिन जयंत चौधरी के लिए जरूर आ गया है, जिसमें किसान की झोली भरे या न भरे लेकिन जयंत की झोली अवश्य भर जाएगी। बेचारे किसानों का क्या है, वे तो संघर्ष करने के लिए ही बने हैं।

जातिगत आधार पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान तो अब भी जयंत के जयकारे ही लगाएंगे। इस समय जयंत के समर्थक यह कुतर्क दे रहे हैं कि भाजपा के साथ जाने पर वे किसानों के काम करा कर उन्हें फायदा पहुंचाएंगे। इस कुतर्क के आधार पर तो 10 साल पहले ही उन्हें भाजपा के साथ चला जाना चाहिए था। बहरहाल इस सौदे से जयंत ने एक बड़े नेता बनने की संभावना खो दी है। जयंत के इस विचलन पर अफसोस ही किया जा सकता है।

युवाओं में हृदयाघात का बढ़ता खतरा

—के.के. तलवार—

पिछले कुछ समय से अपेक्षाकृत कम उम्र वालों में अचानक मौत या हृदयाघात के मामलों में उछाल देखने को मिला है, इनमें कुछ प्रसिद्ध हस्तियां भी शामिल हैं। इन प्रसंगों से संभावित कारणों और रोकथाम उपायों को लेकर विमर्श शुरू हुआ। एक नजरिया कहता है कि विश्वभर में इस किस्म के मामले संभवतरू कोविड–19 महामारी के बाद अधिक घटित हो रहे हैं।

भारत में कुल हृदयाघात में लगभग 20 फीसदी मामले 40 साल से कम उम्र वालों के हैं जबकि पश्चिमी जगत में यह वर्ग 5 प्रतिशत है। अचानक मृत्यु का सबसे आम कारण है माइयोकार्डियल इन्फ्रक्शनध्हार्ट अटैक। युवाओं में हृदयाघात के लिए धूम्रपान सबसे अधिक जोखिम पैदा करने वाला माना जाता है। खतरे के अन्य अवयवों में अत्यधिक शराब सेवन, मधुमेह–रक्तचाप–कोलेस्ट्रॉल का उच्च स्तर, नशाखोरी और जंक फूड का ज्यादा उपयोग और महिलाओं के मामले में गर्भनिरोधक गोलियों का सेवन है।

ऐसी चिंताए भी जताई गई हैं कि क्या इस उछाल के पीछे कोविड संक्रमण या इसकी वैक्सीन भी एक कारक है। कोविड वैक्सीन को दोषी ठहराने का कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं है। हां, कुछ प्रकाशित डाटा ने एमआरएनए वैक्सीन से जुड़ी माइयोकार्डिटीज कार्डियोवैस्कुलर कॉम्पलिकेशंस की ओर इशारा जरूर किया है। लेकिन यह वैक्सीन भारत में इस्तेमाल नहीं हुई। हाल ही में, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन बताता है कि जिन लोगों को कोविड संबंधी लक्षण बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती होने की नौबत बनी थी, उनमें अचानक मृत्यु या हृदयाघात का जोखिम अधिक रहा।

मुख्य अवयवों में तनाव का हिस्सा बहुत बड़ा है। न्यूयॉर्क टाइम्स का एक लेख बताता है कि दिल का सबसे बुरा दुश्मन तनाव है। इस बात की संभावना है कि कोविड महामारी के बाद उत्पन्न स्थिति जैसे कि नौकरी चले जाना और वित्तीय मुश्किलों से बना मनोवैज्ञानिक तनाव एक वजह है। देखा गया है कि जिन लोगों में अपनी नौकरी चले जाने का भय है, उनमें दिल का दौरा पड़ने की संभावना लगभग 20 फीसदी बढ़ जाती है। कई मर्तबा, तनाव व्यक्ति को अस्वास्थ्यकर आदतों में धकेल देता है जैसे कि धूम्रपान और जंक फूड सेवन और नींद उड़ जाना।

अत्यधिक व्यस्तता भरी कार्यशैली, टारगेट पूरा करने के दबाव या नौकरी असुरक्षित होना तनाव पैदा करता है। यह तथ्य वैज्ञानिक तौर पर सिद्ध है कि तनाव दिल की सेहत के लिए बहुत खतरनाक है। तनाव से न्यूरोएंडोक्राइन की सक्रियता बढ़ जाती है, जिससे कैटकोलमिंस और कॉर्टिसोल के उत्पादन में बढ़ोतरी हो जाती है। इसके अलावा प्लाज्मा प्रोइंफ्लेमैट्रीध साइटोकाइन्सध प्रोथ्रोम्बोटिक्स और इम्यून सिस्टम एक्टिवेशन में इजाफा हो जाता है। इन सबके प्रभाव से हृदय की धड़कन और रक्तचाप में बदलाव होता है और माइयोकार्डियल ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ जाती है। इंफ्लेमैट्री प्रोसेस कोरोनरी धमनियों में एथेरोस्कलेरोटिक प्लाक की टूटन शुरू कर सकता है, परिणामवश दिल का सख्त दौरा पड़ सकता है। मानसिक तनावों के नतीजे में कोरोनरी आर्टरी स्पाज्म और वैसोकॉन्सट्रिक्शन पैदा हो सकते हैं और इससे पहले से व्याधिग्रस्त धमनियों में रक्त प्रवाह में फर्क पड़ जाता है। अमिग्डला, दिमाग का वह हिस्सा जो तनाव उत्पन्न करने में भूमिका रखता है, परेशानी की हालत बनने पर उसकी सक्रियता बढ़ जाती है। संभवतः यह न्यूरोएंडोक्राइन सिस्टम को सक्रिय करता है, जिससे ऐसे रसायन बनते हैं कि व्यक्ति या तो तनाव का सामना करेगा या फिर मैदान छोड़कर भागने वाली सोच अपना लेगा, करवट किस ओर होगी, यह तनाव की किस्म और किसी की व्यक्तिगत सहनशीलता के स्तर पर निर्भर है। उम्र बढ़ने के साथ जिंदगी में कुछ बढ़िया कर दिखाने या उपलब्धि की प्रक्रिया में तनाव एक हिस्सा है। कुछ मात्रा में इसका होना सकारात्मक भूमिका निभाता है क्योंकि यह व्यक्ति को और अधिक मेहनत करने को प्रेरित करता है जैसे कि इम्तिहानों में अच्छा कर दिखा लेना या पेशे में उन्नति अथवा प्राप्ति। लेकिन नौकरी चले जाना या वैवाहिक संबंध टूटने जैसे प्रसंग इंसान के मानसिक स्थायित्व को प्रभावित करते हैं और मजबूत पारिवारिक अथवा सामाजिक साथ की अनुपस्थिति में इस किस्म के हालातों का सामना करने की मानसिक दृढ़ता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए जहां मेडिकल परामर्श में धूम्रपान से दूर रहना, स्वास्थ्यप्रद भोजन और नियमित व्यायाम करने जैसे रोकथाम उपायों की सलाह दी जाए, वहीं तनाव के स्तर और इससे निपटने के बारे में बात करना अहम है। यह भी तथ्य है कि तनाव से निपटना आसान नहीं होता। कोई एक उपाय जो सबके लिए कारगर हो, ऐसा कुछ नहीं है।

नए युग के नये कालचक्र

— निर्मल रानी—

भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकतंत्र की हत्या के लाख प्रयासों के बावजूद आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर चुनाव में आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को विजयी घोषित कर ही दिया है। सत्ता को दर्पण दिखने वाले इस फैसले से एक दिन पूर्व यानी गत सोमवार (19 फरवरी) को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश में कल्किधाम मंदिर के एक शिलान्यास कार्यक्रम में जो 'प्रवचन' दे रहे थे उसे सुनकर कोई भी यही कहेगा कि भारतवर्ष तीव्र गति के साथ न केवल आगे बढ़ रहा है बल्कि विश्व महाशक्ति भी बनने जा रहा है। उनके लोकलुभावन व आत्म प्रशंसा से ओत प्रोत प्रवचन के मुख्य अंश कुछ इसतरह थे – 'ईश्वर ने मुझे राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण का जो जिम्मा सौंपा है उसको भव्यता दे रहा हूं'। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा संकल्पों के साथ आगे बढ़ रही है। आपने फरमाया कि भारत अब पराभव से विजय की ओर प्रस्थान करने वाला राष्ट्र बन गया है। उन्होंने यह भी कहा कि श्भारत पहली बार उस मुकाम पर है कि अब वह अनुसरण नहीं दुनिया भर में उदाहरण पेश कर रहा है। अब देश का हर व्यक्ति गौरव गौरवान्वित महसूस करता है। अब हमारी शक्ति अनंत और संभावनाएं अपार हैं। अब कालचक्र बदल गया है और नए युग की शुरुआत हो चुकी है। हम दुनिया में पांचवीं अर्थव्यवस्था हैं। आदि आदि

जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपरोक्त 'प्रवचन' देकर 'राष्ट्र रूपी मंदिर के निर्माण' की सुनहरी तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे थे ठीक उसी समय देश का सर्वोच्च न्यायलय एक बार फिर पिछले दिनों चंडीगढ़ में हुये मेयर चुनाव पर इसी आत्म मुग्ध सरकार और इसके 'चाणक्यों' को आइना दिखा रहा था। गौरतलब है कि भाजपा की चुनाव टालने की तमाम कोशिशों के बावजूद गत 30 जनवरी को चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव संपन्न हुआ था। चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षदों की कुल 35 सीटें हैं। एक वोट स्थानीय लोकसभा सदस्य का भी गिना जाता है। इस तरह बीजेपी के 14 पार्षद, एक भाजपा सांसद(किरण खेर) और शिरोमणि अकाली दल के एक पार्षद को मिलाकर कुल 16 वोट ही होते हैं। जबकि दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी के पास 13 और कांग्रेस के पास 7 पार्षद हैं। अर्थात इंडिया गठबंधन के पास कुल 20 मतों के संख्या बल के आधार पर आम आदमी पार्टी और कांग्रेस इसे लोकसभा चुनाव से पूर्व इंडिया गठबंधन के बीजेपी से पहले मुकाबले की तरह देख रही थी तथा इंडिया गठबंधन की जीत के प्रति पूरी तरह आश्वस्त थी। परन्तु इन संभावनाओं के विपरीत आये चुनाव परिणामों से पूरा देश हैरान रह गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान के आये वीडियो में देखा गया कि पीठासीन अधिकारी द्वारा मत पत्रों को अमान्य करार देने की गरज से जानबूझकर उन पर हस्ताक्षर किये गये या कुछ लिखा गया। और बाद में पीठासीन अधिकारी ने निशान लगाये गये उन्हीं आठ मतों को आमान्य करार दे दिया। और 14 पार्षद वाली भाजपा के मेयर को विजयी घोषित कर दिया। जिन आठ वोटों को अमान्य करार दिया गया उसका कारण भी नहीं बताया गया। बीजेपी चंडीगढ़ मेयर चुनाव को इतना अहम समझ रही थी कि पार्टी के एक महासचिव चुनाव से कई दिनों पूर्व से ही इन चुनावों की रणनीति के लिए चंडीगढ़ में ठहरे हुए थे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस धांधलीपूर्ण जीत के बाद कहा था कि श्बीजेपी की चंडीगढ़ यूनिट को मेयर चुनाव जीतने के लिए बधाई। पीएम मोदी के नेतृत्व में चंडीगढ़ में रिकॉर्ड विकास हुआ है।

नौ मार्च को लगेगा राष्ट्रीय अदालत

संवाददाता—श्रावस्ती। नौ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत की सफलता के लिए बुधवार को जिला जज के चौम्बर में बैठक का आयोजन किया गया। जिला जज देवेन्द्र सिंह ने कहा कि सभी न्यायिक अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जरूरी कदम उठाएं। लोक अदालत का आयोजन दीवानी न्यायालय सहित सभी न्यायालयों में होगा। जिसमें मोटर वाहन अधिनियम, भरण—पोषण, वैवाहिक व परिवारिक विवाद, राजस्व विवाद, श्रम अधिनियम से सम्बन्धित वाद, शाप एक्ट, नाप—तोल के मामले, विद्युत अधिनियम, आबकारी अधिनियम, जिला परिषद एवं नगर पालिका परिषद अधिनियम, उपभोक्ता फोरम के वाद स्टाम्प एक्ट, चकबन्दी वाद, दाखिल खारिज तथा दीवानी मामलों निस्तारण सुलह—समझौते के आधार पर तथा ई चालानी के वाद निस्तारित किये जायेगें एवं फौजदारी लघुवाद का निस्तारण किया जायेगा और प्रिलिटिगेशन वादों का निस्तारण भी सुलह—समझौते के आधार पर किया जायेगा। जज सुदामा प्रसाद, उमेश कुमार—।।, श्रीमती करुणा सिंह, अजय सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

राहुल गांधी और स्वामी प्रसाद मौर्य बीजेपी के सुपरस्टार प्रचारक —बृजभूषण सिंह

संवाददाता—गोण्डा। जिले के तरबगंज तहसील के एक गांव में निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कई बड़े बयान दिए। स्वामी प्रसाद मौर्य के सपा से इस्तीफा देने के बाद बीजेपी में आने के सवाल पर सांसद ने सीधे तौर पर कोई जवाब न देकर कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य और राहुल गांधी यह दोनों लोग बीजेपी के स्टार प्रचारक हैं। यह जब भी सनातन धर्म के खिलाफ कोई बात बोलते हैं। इसका सीधा फायदा बीजेपी को होता है। जिले के बभनजोत ब्लॉक के एक गांव में आयोजित मांगलिक कार्यक्रम में पहुंचे बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि इस देश में कोई माने या ना माने राहुल गांधी और स्वामी प्रसाद मौर्य बीजेपी के सुपरस्टार प्रचारक हैं। उन्होंने कहा कि देश में सनातन धर्म या कह लीजिए कि हिंदू धर्म के प्रति अनादि काल से आस्था है। कहां कि जो मुस्लिम धर्म बना उसका इतिहास 14 सौ वर्ष का है। यहां के अधिकांश मुसलमान जो है सनातन से ही निकले है। कुछ गलतियां और कुछ परिस्थितियों के कारण वह मुस्लिम हो गए। उन्होंने कहा कि सनातन है, सनातन रहेगा। ऐसी स्थिति में राम और शिव के अस्तित्व को ना मानना यह जब बात उनके मुंह से निकलती है। तो बीजेपी को ही फायदा होता है। जब उनसे कहा गया कि क्या राम लहर चल रही है। बीजेपी इस बार कितनी सीटे लेकर आएगी। उन्होंने कहा कि इस बार तो लड़ाई ही समाप्त हो गई है। अब बीजेपी को कोई चुनौती नहीं है। गोंडा लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी ने श्रेया वर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है। इस सवाल पर उन्होंने कहा कि हम किसी व्यक्ति विशेष के ऊपर टिप्पणी करने नहीं आए हैं।

मारपीट के मामले में चार पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता—गोण्डा। खेत में पाइप ले जाने के विवाद में मारपीट के बाद पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ित शिवनाथ पुत्र सुकई निवासी शिवलाल पुरवा गौहानी ने थाना में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि खेत में पाइप ले जाने को लेकर बीते मंगलवार को गांव के कृष्ण चंद्र उर्फ संजय यादव, लौटन, नीलम पत्नी राघवराम यादव व सरोज पत्नी संजय यादव उर्फ कृष्ण चंद्र यादव ने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए लाठी डन्डा से मारा—पीटा है। थानाध्यक्ष शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा किया गया है।

सभासद एसोसिएशन के अध्यक्ष बने राम कुमार

संवाददाता—गोण्डा। बेलसर। सभासद एसोसिएशन संगठन का चुनाव बेलसर ब्लॉक सभागार में संपन्न हुआ। इसमें राम कुमार तिवारी को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। बुधवार को चुनाव अधिकारी राजीव कुमार पांडेय की देखरेख में संगठन का चुनाव हुआ। इसमें सर्वसम्मति से राम कुमार तिवारी को अध्यक्ष, शिव सेवक तिवारी को मुख्य संरक्षक चुना गया। जबकि, उपाध्यक्ष अमित तिवारी, नकछेद कनौजिया, पवन कौशल, विजय प्रताप सिंह , सचिव अमर पाल सिंह कोषाध्यक्ष घनश्याम, मंत्री उमेश्वर प्रताप सिंह, राजेश कुमार सिंह निर्वाचित किए गए।

यूपी बोर्ड परीक्षाः 43 केन्द्रों में कड़ी सुरक्षा में आज शुरू होगी बोर्ड परीक्षा

संवाददाता—श्रावस्ती। यूपी बोर्ड की परीक्षाएं गुरुवार से शुरू होंगी। जिले के 43 परीक्षा केन्द्रों में 20 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। बोर्ड परीक्षाएं 22 फरवरी से शुरू होकर नौ मार्च तक होंगी। पहले दिन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की हिन्दी विषय की परीक्षा होगी।

हाईस्कूल व इण्टर मीडिएट बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में कुल 43 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर 20 हजार 486 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे जिसमें 12 हजार 259 परीक्षार्थी हाईस्कूल व 8227 परीक्षार्थी इण्टरमीडिएट के शामिल हैं। जिन स्कूलों को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है वहां के प्रधानाचार्य केन्द्र व्यवस्थापक नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा एक एक अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापकों की तैनाती प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर की गई है। पहली बार हाईस्कूल व इण्टर के परीक्षार्थियों को बार कोड वाली कापियां मुहैया कराई जाएगी। स्कूलों में सीसीटीवी कैमरों, वाइस रिकार्डिंग की व्यवस्था मुकम्मल कर ली गई है। साथ ही प्रत्येक केन्द्र पर प्रश्नपत्र पहुंच गए हैं।

सभी परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्र व्यवस्थापक व अतिरिक्त केन्द्र व्यवस्थापक के साथ ही प्रत्येक केन्द्रों पर एक एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अलावा तीन जोनल तथा 13 सेक्टर मजिस्ट्रेट की भी तैनाती की गई है। जो परीक्षा की निगरानी करेंगे। नकल की संभावना को समाप्त करने के लिए इस बार भी परीक्षा सीसीटीवी कैमरों व वाइस रिकार्डिंग के निगरानी में होगी।

चौधरी राम बिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज श्रावस्ती में इस बार हाईस्कूल में 703 और इंटर में 265 विद्यार्थी परीक्षा में भाग लेंगे। नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए इस बार प्रत्येक कक्ष में वॉयस रिकॉर्डर के साथ दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। परीक्षा से एक दिन पहले बुधवार को शिक्षा विभाग और प्रशासन तैयारियों में जुटा रहा। केंद्रों पर पहले दिन सिटिंग प्लान के अनुसार स्लिप चस्पा की गई और नोटिस बोर्ड पर सूची लगाई गई। पहले दिन अपनी सीट देखने के लिए विद्यार्थी केंद्रों पर पहुंचे। केंद्र व्यवस्थापक राजेश कुमार यादव ने कक्ष निरीक्षकों की उपस्थिति दर्ज की और केंद्र कक्ष निरीक्षकों को प्रशिक्षण देते हुए बताया कि परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन प्रतिबंधित रहेगा। बच्चों को उनकी निर्धारित सीट पर बैठाने की व्यवस्था सुचारू से किया जाएगा।

शिक्षाविद् व अलक्षेन्द्र इंटर कालेज के प्रधानाचार्य ज्योति प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि परीक्षार्थियों को तनावमुक्त रहना चाहिए। सुबह पाली की परीक्षा साढ़े आठ बजे से शुरू होगी। इसके लिए साढ़े सात बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुंच जाएं। अपने साथ केवल लेखन सामग्री लानी है। इसके अलावा कोई सामान नहीं लाना है। अपनी सीट खोज कर तनाव मुक्त होकर बैठें और पहले 15 मिनट प्रश्नपत्र को सावधानी पूर्वक पढ़ें। इसके बाद जो प्रश्न सरल लगे उसे हल करें।

नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर भैरहवा में प्रदर्शन

संवाददाता—महराजगंज। नेपाल में राजशाही और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर बुधवार को भारत—नेपाल सीमा से सटे रूपनदेही जिले के भैरहवा और काठमांडों सहित पूरे नेपाल में राष्ट्रीय प्रजा तंत्र पार्टी ने प्रदर्शन किया। इसके बाद सरकार को संबोधित 40 सूत्री ज्ञापन मुख्य जिला अधिकारी को सौंपा। बुधवार की दोपहर राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने राजशाही और हिंदू राष्ट्र की बहाली समेत 40 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया है। आरपीपी ने प्रांतीय ढांचे को खत्म कर एक मजबूत केंद्रीय और सशक्त स्थानीय स्तर के साथ दो—स्तरीय सरकार, भ्रष्टाचार नियंत्रण, सुशासन की गारंटी, राष्ट्रवाद, विकास, सुशासन, सेवा वितरण और लोगों की आजीविका और लंबे समय से विभिन्न मांगों को लेकर विरोध किया है। आरपीपी के प्रवक्ता मोहन श्रेष्ठ ने बताया कि बुधवार से देशभर के जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में प्रदर्शन और सभा करने के बाद मार्च के पहले सप्ताह में काठमांडो में प्रदर्शन और सभा आयोजित की जाएगी।

छात्रा से किशोर ने किया रेप

संवाददाता—बहराइच। मटेरा थाने के एक गांव निवासिनी आठ वर्षीय बेटी कक्षा दो में पढ़ाई कर रही है। उसे गांव का ही एक किशोर बहाने से सोमवार दोपहर अपने घर ले गया। उसने बालिका के साथ रेप किया। पीड़िता घर आई तो उसने अपने साथ घटी वारदात की जानकारी परिजनों को दी।

बालक के अपहरण की कोशिश दो युवक पकड़े गए

संवाददाता—श्रावस्ती। मंगलवार शाम को बाइक सवार दो युवकों ने एक आठ साल के बालक का अपहरण करने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों ने दौड़ा कर बाइक सहित दोनों युवकों को पकड़ लिया। पकड़े गए युवकों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस मामला दर्ज करके पूछताछ कर रही है। मंगलवार रात करीब पौने आठ बजे हरदत्तनगर गिरंट थाने के इटैहिया निवासी रामावती पत्नी सुरेश कुमार के आठ साल के लड़के अखिलेश से बाइक सवार दो युवक रास्ता पूछने के बहाने रुके। इसके बाद अखिलेश को बाइक पर बैठा कर भागने लगे।

बनरसिहा कला बौद्ध टीले के उत्खनन की टॉवर से हो रही निगरानी

संवाददाता—महराजगंज। लक्ष्मीपुर विकास खंड क्षेत्र बनरसिहा कला में उत्खनन जारी है। प्राचीन बौद्ध स्थल के उत्खनन की निगरानी टॉवर से की जा रही है। बौद्ध टीले से कुषाण कालीन मिट्टी के नाद, हण्डी, चौड़ी दीवारें व अन्य पुरावशेषों का मिलना जारी है। सभी अवशेष दो हजार वर्ष से भी पहले कुषाण काल से संबंधित बताए जा रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि विभाग की डायरेक्टर जल्द ही उत्खनन स्थल का निरीक्षक करेंगी। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इतिहासकारों को उम्मीद है कि यहां के उत्खनन से इतिहास के रहस्यों से पर्दा जल्द ही उठने वाला है। उत्खनन की पल—पल की निगरानी विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है। उत्खनन का कार्य जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है पुरातत्वविदों को बहुत कुछ जानकारी प्राप्त हो रही है।

पुरातत्व अधिकारी रामविनय का कहना है कि कुशल कारीगरों व मजदूरों के साथ पुरातत्व विभाग की टीम बनरसिहा कला के प्राचीन बौद्ध टीले के विभिन्न स्थानों पर उत्खनन कर रही है। लगातार मिट्टी के बर्तन और कुषाण काल के पुराने ईंट ही निकल रहे हैं। वर्तमान में मिट्टी के नाद, हण्डी, वर्तन, चौड़ी दीवारें आदि मिल रहे हैं। खुदाई में चौड़ी दीवारें मिल रही हैं जो छतिग्रस्त हो गई हैं।

पुरातत्व अधिकारी का कहना है कि विभाग की डायरेक्टर जल्द निरीक्षण करेंगी। खुदाई का कार्य जमीन से ज्यादा नीचे करीब 15 से 20 फीट तक हो गई है। उसकी निगरानी में दिक्कतें हो रही थीं। इसलिए ऊंचा टॉवर बनाकर खुदाई की हर गतिविधियों पर लगातार नजर बनाई जा रही है। पल—पल की फोटो व वीडियो बनाकर उच्च स्तरीय अधिकारियों को सौंपी जा रही है।

नशीले पदार्थ के साथ आरोपी को जीआरपी ने पकड़ा

संवाददाता—गोण्डा। जीआरपी कप्तान अवधेश कुमार सिंह के निर्देश पर निरीक्षक अरविंद शर्मा के नेतृत्व पर स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर 4 के पूर्वी छोर पर एक व्यक्ति की संदिग्ध प्रतीत होने पर तलाशी ली गई। उसके पास नशीला पाउडर और टैबलेट बरामद हुआ। आरोपी की पहचान की बलरामपुर के ललिया क्षेत्र अंतर्गत बलराम सिंह चौहान के रूप में हुई है। जीआरपी ने मुकदमा दर्जकर उसे न्यायालय में पेश किया है।

एयरपोर्ट की सुरक्षा में न रहे कोई कमी, 24 घंटे हो निगरानी

संवाददाता—श्रावस्ती। देवीपाटन मंडल के डीआईजी अमरेंद्र प्रसाद सिंह बुधवार को श्रावस्ती एयरपोर्ट पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट का निरीक्षण करके सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखने का निर्देश दिया। एयरपोर्ट पहुंचे डीआईजी को गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गई। इसके बाद आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए एयरपोर्ट का भ्रमण किया। सुरक्षा व्यवस्था में लगे अधिकारी व कर्मचारियों को सतर्कता पूर्ण एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने एवं सुरक्षा कक्ष में रहकर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से प्रत्येक गतिविधियों पर 24 घंटे सतर्क दृष्टि बनाएं रखने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर प्रत्येक आगन्तुक की शालीनता पूर्वक विधिवत चेकिंग करें तथा चेकिंग रजिस्टर में नाम पता एवं मोबाइल नंबर जरूर दर्ज करें। एयरपोर्ट पर नियुक्त अधिकारियों व कर्मचारियों के पहचान पत्र से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड, एयरपोर्ट सुरक्षा एजेन्सी के कर्मचारियों से भी बातचीत की। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी इकौना संतोष कुमार, प्रभारी निरीक्षक पुष्पलता, एअरपोर्ट चौकी प्रभारी अमित कुमार सिंह तथा एयरपोर्ट सुरक्षा एजेन्सी के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कबीर आश्रम सालीया दाहोद गुजरात अयोध्या में कर रहा है श्रद्धालुओं की सेवा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या,। श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा और अपने भव्य नव्य मंदिर में विराजमान होने की खुशी में कबीर आश्रम सालीया दाहोद गुजरात द्वारा चलाया जा रहा कबीर सनातन भंडारा सेवा ही परमोधमर्रू की युक्ति को चरित्रार्थ कर रहा है। भंडारे में प्रतिदिन दस हजार लोग भोजन कर रहे हैं। कबीर आश्रम सालीया दाहोद गुजरात सेवा ही परमो धर्मा पर निरंतर कार्य कर रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में आश्रम के संयोजन में कबीर मठ जियनपुर परिसर निकट महोबरा बाईपास पर विगत 21 जनवरी से कबीर सनातन भंडारा चल रहा है। जो कबीर आश्रम सालीया दाहोद गुजरात के महंत ऋषिकेश साहेब बापू की अध्यक्षता में आयोजित है। बापू ने बताया कि यह कबीर सनातन भंडारा भारत देश के समस्त कबीर पंथी संप्रदाय द्वारा चलाया जा रहा है, जिसमें प्रतिदिन दस हजार श्रद्धालु, रामभक्त भोजन—नाश्ता ग्रहण कर रहे हैं। 5 सौ वर्षों बाद श्रीरामलला सरकार अपने भव्य, नूतन भवन में विराजमान हुए हैं। जो हम सबके लिए खुशी और गर्व की बात है। जो गौरवांवित करने वाला है। सदियों की तपस्या पूरी हुई, जिसके हम सभी साक्षी बने हैं। 5 सौ वर्षों का हम सबका सपना पूरा हुआ। हम लोगों ने भव्य, नूतन भवन में विराजमान श्रीरामलला सरकार का दर्शन—पूजन किया।

कबीर मठ जियनपुर के महंत उमाशंकर दास ने कहा कि कबीर सनातन भंडारा अनवरत जारी है। इसमें प्रतिदिन दस हजार श्रद्धालुओं को भोजन दिया जा रहा है। किसी के साथ कोई भेदभाव नही है। जो भंडारे में आ रहा है। सभी को पूरे सेवाभाव व मनोभाव के साथ भोजन दिया जा रहा है। सेवा का मुख्य कार्य यहीं पर देखने को मिल रहा है। जो सेवा ही परमो धमर्रू को भी चरित्रार्थ कर रहा है। इस मौके पर सालीया दाहोद गुजरात के सरपंच विनोद कुमार अग्रवाल, विवेक ब्रह्मचारी, अरविंद गिरि जूना अखाड़ा हरिद्वार, संतोष साहेब काठमांडू आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस और सपा ने अल्पसंख्यक समाज का सिर्फ इस्तेमाल किया— जमाल

संवाददाता—श्रावस्ती। भारतीय जनता अल्पसंख्यक मोर्चा के तत्त्वधान में जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मंजर हसन की अध्यक्षता में स्नेह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी तथा विशिष्ट के रूप क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अवध क्षेत्र मोहम्मद नईम, भाजपा नेत्री अंजली मिश्रा मौजूद रहीं। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित अल्पसंख्यक मोर्चा के स्नेह संवाद कार्यक्रम में अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि राजनीतिक दलों ने अल्पसंख्यक समाज और उसमे भी विशेषकर मुस्लिम समाज को सिर्फ खिलौना बनाकर रखा था। चाहे कांग्रेस हो, चाहे समाजवादी पार्टी हो या अन्य राजनीतिक दल इन्होंने सिर्फ भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति नफरत और भ्रम फैलाकर इनके वोट हासिल किए। लेकिन इनके विकास और इनके बच्चो के भविष्य के बारे में कभी नहीं सोचा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार आने के बाद से हर वर्ग हर समुदाय का बिना किसी भेदभाव के विकास भी हो रहा है और हर पात्र मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहा है। विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मोहम्मद नईम ने कहा कि आजादी के बाद से अगर मुस्लिम समाज को सब से ज्यादा लाभ मिला है। तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में मिला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे को धरातल पर सत्य करके दिखाया है। भाजपा नेत्री अंजली मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सदैव यही सोच रही है कि मुस्लिम बच्चों के एक हाथ में कुरान तो दूसरे हाथ में लैपटॉप रहे। इसीलिए मोदी सरकार ने विशेषकर मुस्लिम बच्चों की पढ़ाई और वह आत्मनिर्भर बने इसके लिए कई योजनाएं चलाई है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री दिवाकर शुक्ला, रमन सिंह, जिला महामंत्री अल्पसंख्यक मोर्चा सिराजुद्दीन इदरीसी, जिला मंत्री दिलशाद पठान तथा अल्पसंख्यक मोर्चे के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

आंधी में कार पर गिरी पेड़ की डाल, बाल- बाल बचे सवार

संवाददाता—बहराइच। लखनऊ— बहराइच हाईवे के मुस्तफाबाद सीएचसी के निकट मंगलवार की रात आंधी तूफान के दौरान लखनऊ से बहराइच आ रही कार पर पेड़ गिरने से कार चकनाचूर हो गई। कार सवार दो लोग बाल—बाल बच गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने पेड़ को कटवाकर लगभग एक घंटे बाद रास्ता खुलवाया तब जाकर वाहनों का संचालन शुरू हुआ। लखनऊ— बहराइच हाईवे पर जरवलरोड थाने के मुस्तफाबाद सीएचसी के निकट मंगलवार रात लगभग 1:00 बजे चक्रवातीय आंधी व बरसात में बद्री प्रसाद मेमोरियल हॉस्पिटल के सर्जन डॉ. सर्वेश शुक्ला की इनोवा क्रिस्टा कार पर पेड़ गिर गया। कार में सवार चालक 35 वर्षीय धर्मेंद्र शुक्ला व बद्री प्रसाद मेमोरियल चिकित्सालय के मैनेजर 45 वर्षीय सुरेश मिश्रा बाल— बाल बच गए। डॉ. सर्वेश शुक्ला आवश्यक कार्य से बेंगलुरू जाना था। उनको एयरपोर्ट पर छोड़कर कार सहित दो लोग शहर आ रहे थे। बरसात होने से कार धीमी गति से चलाई जा रही थी। कार चालक धर्मेंद्र शुक्ला ने पेड़ गिरते हुए देखा। ब्रेक का इस्तेमाल कर वाहन को कंट्रोल कर लिया। अगर दो सेकंड आगे कार बढ़ जाती तो पूरा पेड़ कार पर गिर जाता। पेड़ की मोटी टहनियां ही कार के अगले हिस्से पर गिरी थी।

सूचना पर थानाध्यक्ष जरवल रोड ब्रिज प्रसाद, उपनिरीक्षक राणा राज सिंह, हेड कांस्टेबल शकील अहमद समेत एक दर्जन से अधिक पुलिसकर्मी व श्रमिकों के साथ पहुंचकर घंटों मशक्कत के बाद पेड़ को काटकर हटवाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि लखनऊ— बहराइच हाईवे छोटे— बड़े मिलाकर कई पेड़ डालियां सड़क पर गिरी थी। श्रमिकों व पुलिसकर्मियों की सहायता से आवागमन बहाल हुआ।

डीपीआरओ ने की विकास कार्यों की समीक्षा

संवाददाता—गोण्डा। विकास भवन में सभी ब्लॉकों के एडीओ पंचायत के साथ डीपीआरओ लालजी दूबे ने विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। अपने ब्लॉक क्षेत्र में तय अवधि में विकास कार्यों को पूरा करवाएं।

नाली पाटने से सड़क पर भरा पानी, परेशानी

संवाददाता—गोण्डा। गोंडा—अयोध्या हाईवे की दोनों पटरियों की तरफ बनी नालियों में कूड़ा पटने की वजह से हल्की सी बारिश से बाजार में पानी भर जाता है। मंगलवार की रात को हुई बारिश से बुधवार की सुबह वजीरगंज में थाने के सामने और बालेश्वरगंज बाजार में जलभराव की स्थिति देखी गई। हाईवे के किनारे बनी नालियों को व्यापारियों ने पाट लिया है। ऐसे में हाईवे से आवागमन करने वाले आम जनमानस को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पैदल आने जाने वाले स्कूली बच्चे व अन्य लोगों को गंदे पानी के बीच होकर गुजरना पड़ा।

शैक्षिक भ्रमण के लिए मध्यप्रदेश गया छात्र—छात्राओं का दल

संवाददाता—बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र—छात्राओं का एक दल शैक्षिक भ्रमण के लिए बलरामपुर स्टेशन से पचमढ़ी (मध्यप्रदेश) के लिए रवाना हुआ। छात्र—छात्राओं के शैक्षिक भ्रमण में उनकी निगरानी के लिए विभागाध्यक्ष डा. राजीव रंजन, डा. मोहम्मद अकमल, वीर प्रताप सिंह भी गए हैं। सभी छात्र छात्राओं को विभागाध्यक्ष ने कहा कि वनस्पति विज्ञान शैक्षिक भ्रमण के क्षेत्र में अपना विशेष महत्व है। शैक्षिक भ्रमण में हम किताबी ज्ञान के अलावा प्रकृति की सुंदरता, पेड़ पौधे एवं वनस्पतियों के साथ—साथ कुदरत की कुछ रहस्यों से भी परिचित होते होते हैं। इससे हमारे ज्ञान की वृद्धि होती है। शैक्षिक भ्रमण ज्ञान अर्जन एवं सीखने का सबसे अच्छा माध्यम है।

अयोध्या के विकास विश्व कल्याण और बेरोजगारी दूर करने के लिए महायज्ञ आज से

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या के विकास विश्व कल्याण एवं भारत से बेरोजगारी दूर करने के संकल्प के मां सरयू तट गोलाघाट अयोध्या में 17 दिवसीय श्री लक्षचण्डी ,श्री लक्षगणपति महायज्ञ के साथ श्री राम यज्ञ का शुभारंभ 22 फरवरी माघ शुक्ल पक्ष त्रयोदशी गुरुवार श्री प्रारंभ होकर 9 मार्च फागुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी शनिवार तक होगा उक्त बातें प्रेस से मुखातिब होते हुए यज्ञाचार्य अनंत विभूषित महामंडलेश्वर स्वामी प्रखर महाराज ने बताई।

उन्होंने बताया कि वर्षों बाद अयोध्या में पहली बार इतनी विशाल यज्ञ हो रही है। उन्होंने कहा कि वाले 10 वर्षों में भारत में 10 करोड़ युवा बेरोजगार होंगे और वह ऐसे बेरोजगार होंगे जिनके पास डिग्री तो होगी लेकिन ज्ञान नहीं होगा इसलिए इस यज्ञ में ऐसा संकल्प लिया जा रहा है कि युवाओं के ज्ञान की वृद्धि होगी और सभी रोजगार युक्त हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि 1500 विद्वान 17 दिनों तक पाठ और 100 कुड़ीय विराट यज्ञ में आहुति डालेंगे। 22 फरवरी को कलश यात्रा निकलेगी और पाठ प्रारंभ होगा 23 फरवरी से

1 मार्च तक श्री राम कथा जगतगुरु डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज कहेंगे और 2 मार्च से 8 मार्च तक श्रीमद् भागवत कथा श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी के श्री मुख से होगी और प्रातः 10 बजे से 1तक प्रतिदिन संत सम्मेलन फरवरी से 8 मार्च तक चलेगा।

जगतगुरु डॉ राघवाचार्य महाराज ने बताया कि स्वामी जी पूरे भारत में ऐसी विशाल नवयज्ञ कर चुके हैं दसवीं यज्ञ अयोध्या में 22 फरवरी से होगी उन्होंने बताया कि अयोध्या में यज्ञ की तैयारी कई वर्षों से चल रही थी लेकिन सहयोग नहीं बन रहा था ठाकुर जी की कृपा हुई 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा हुई और 22 फरवरी से यह यज्ञ हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इच्छा थी कि ऐसी कोई बड़ा धार्मिक अनुष्ठान अयोध्या में हो ऋषिकेश में यज्ञ हो रही थी मेरी कथा हो रही थी महाराज जी वही थे मैंने महाराज जी से विचार रखा और यह कार्यक्रम एक वर्ष पहले तय हो गया आज पूरी तैयारी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निमंत्रण दिया गया है जब उनका समय आ जाएगा तो आप हमको बताया जाएगा उन्होंने बताया कि 21 फरवरी को प्रायश्चित कम से प्रारंभ होगा। 22 फरवरी को प्रधान संकल्प पंचांग पूजन ब्राह्मण बरन 2 बजे शोभायात्रा और 4 बजे यज्ञशाला में प्रवेश होगा। 24 को अरणी मंथन के साथ 3 से शाम 7 बजे तक हवन प्रारंभ हो जाएगा। 8 मार्च को महाशिवरात्रि पूजन और 9 मार्च को महायज्ञ की पूर्णाहुति होगी।

विभिन्न समस्याओं को लेकर व्यापारियों ने की बैठक

संवाददाता—श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा के वीरगंज बाजार में उद्योग व्यापार मंडल जिलाअध्यक्ष दीनानाथ गुप्ता के नेतृत्व में व्यापार मंडल की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिल सोनी व पवन सोनी ने की। व्यापारियों ने मां सरस्वती जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। व्यापार मंडल वीरगंज अध्यक्ष नंदकुमार गुप्ता ने व्यापार से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। जिसमे वार्षिक सदस्यता शुल्क, प्रत्येक माह के प्रथम तारीख को बारात घर सभागार में शाम 9 बजे बैठक करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ ही बाजार सुलभ शौचालय निर्माण तथा बाजार वासियों को दाह संस्कार हेतु शव दाह स्थल की मांग की गई। इस पर प्रधान प्रतिनिधि अनिल सोनी ने एक माह के भीतर दोनों समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया।

अप्राकृतिक दुष्कर्म के केस में तत्कालीन सब रजिस्ट्रार की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

संवाददाता—महराजगंज। कुशीनगर की युवती के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म व आपराधिक षड्यंत्र के मामले में तत्कालीन सब रजिस्ट्रार राकेश राम की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। विशेष न्यायाधीश अनन्य न्यायालय पॉक्सो एक्ट विनय कुमार सिंह द्वितीय ने सब रजिस्ट्रार राकेश राम के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद उसे खारिज दिया। इसी मामले में सह अभियुक्त शैलेन्द्र की भी अग्रिम जमानत याचिका पहले खारिज हो चुकी है।

घटना 20 जून 2023 की है। कुशीनगर जिले की युवती अपनी मां के साथ उप निबंधन कार्यालय सदर में तत्कालीन सब रजिस्ट्रार राकेश राम से मिलने आई थी। आरोप है कि कार्यालय में सब रजिस्ट्रार ने अपने सहयोगियों के साथ युवती व उसकी मां के साथ मारपीट की। कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर युवती बताई थी एक जमीन के सिलसिले में कुशीनगर जिले में तैनाती के दौरान वर्ष 2018 में सब रजिस्ट्रार राकेश राम से मिली थी। सहायता करने के नाम पर वह कार्यालय बुलाते रहे। शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने लगे।

शादी के लिए दबाव बनाने पर अश्लील वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। अपने साथी शैलेन्द्र सिंह चौहान के साथ मिल कर जान से मारने की कई बार कोशिश किया। शैलेन्द्र भी जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। युवती की तहरीर पर कोतवाली पुलिस धारा 376, 377, अपराधिक षड्यंत्र समेत कई धाराओं में केस दर्ज की। तत्कालीन कोतवाल रवि कुमार राय ने विवेचना किया। पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया। बयान में भी युवती राकेश राम पर गंभीर आरोप लगाई। विवेचना के बाद आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया। इस मामले में आरोपित सब रजिस्ट्रार ने बताया कि युवती बालिग है। पैसा हड़पने के लिए उसे ब्लैकमेल कर परेशान किया जा रहा है। सब रजिस्ट्रार के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद विशेष न्यायाधीश ने यह कहते हुए खारिज किया कि यह स्वीकार होने योग्य नहीं है। जिला शासकीय अधिवक्ता विनोद सिंह ने बताया कि न्यायालय ने सब रजिस्ट्रार के अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद खारिज कर दिया है। इसी मामले में सह आरोपित शैलेन्द्र सिंह चौहान की भी अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र खारिज की जा चुकी है।

सीएम योगी का दौरा टला आज आएंगे गोरखपुर

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दो दिवसीय दौरा लखनऊ में व्यस्त कार्यक्रम की वजह से टल गया। बुधवार की जगह अब योगी बृहस्पतिवार को आएंगे। गीडा के कालेसर जीरो प्वाइंट पर 1040 करोड़ रुपये की 20 परियोजनाओं का शुभारंभ योगी बृहस्पतिवार को करेंगे। इसके अलावा पहले से प्रस्तावित टैबलेट और स्मार्टफोन का वितरण अब किसी दूसरी नई तारीख को किया जाएगा। ये जानकारी सीएम मीडिया सेल से दी गई। बुधवार और बृहस्पतिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम में सीएम 650 करोड़ रुपये की आवासीय योजना को लांच करना था, जो अब बृहस्पतिवार को करेंगे। वहीं, एसडी इंटरनेशनल की करीब 300 करोड़ रुपये के निवेश वाली यूनिट (प्लास्टिक रिसाइक्लिंग प्लांट एवं फूड पैकेजिंग कंटेनर यूनिट) का शिलान्यास और गीडा की 90 करोड़ रुपये की लागत वाली 18 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण भी करेंगे।

यह कार्यक्रम कालेसर (गीडा सेक्टर–13) में होगा। गीडा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने 80 एकड़ में कालेसर व्यावसायिक परियोजना को लांच किया था। अब 120 एकड़ में आवासीय परियोजना लांच होगी। आवासीय योजना में छोटे, मध्यम और बड़े आकार के भूखंड होंगे। कालेसर में व्यावसायिक एवं आवासीय परियोजना कनेक्टिविटी के लिहाज से बेहतर है। इसकी कनेक्टिविटी एनएच–28, लखनऊ–मुजफ्फरपुर फोरलेन राजमार्ग एवं सोनौली राजमार्ग से है। कालेसर में ही एक अंतरराज्यीय बस टर्मिनल बनाने की भी योजना है।

गीडा सेक्टर–13 में 42284 वर्गमीटर में बनने वाली एसडी इंटरनेशनल की इस यूनिट से करीब 750 लोगों को रोजगार मिलेगा। गीडा की जिन विकास परियोजनाओं का लोकार्पण होना है, उनमें औद्योगिक गलियारा सेक्टर–27 व 28 में करीब 35 करोड़ रुपये से अधिक के नौ कार्य शामिल हैं, जबकि गीडा के सेक्टर 11 में 54 करोड़ रुपये से अधिक के नौ कार्यों का शिलान्यास होना है। सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम के तौर पर बृहस्पतिवार को साढ़े चार हजार विद्यार्थियों को स्मार्टफोन व टैबलेट का वितरण होना था। तीन हजार छात्र–छात्राओं को स्मार्टफोन और डेढ़ हजार को टैबलेट वितरित होता। ये कार्यक्रम भी टल गया है। अब नई तारीख को इस कार्यक्रम के लिए समय निकाला जाएगा।

जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए दौड़ लगा रहे आवेदक

संवाददाता–गोरखपुर। जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए 800 से अधिक आवेदक नगर निगम कार्यालय से सदर तहसील कार्यालय तक दौड़ लगा रहे हैं। लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान होता नहीं दिख रहा है। पिछले दिनों एसडीएम सदरः ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मृणालिनी अविनाश जोशी ने तीन दिन में लंबित मामले निपटाने का दावा किया था, कुछ मामले निपटे भी लेकिन अब भी 700 से अधिक आवेदन लंबित है।

एक साल से अधिक उम्र के लोगों के जन्म प्रमाण पत्र के साथ ही मृत्यु के एक साल बाद प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करने की दशा में एसडीएम की संस्तुति अनिवार्य किए जाने के बाद ही लंबित आवेदनों की संख्या बढ़ने लगी है। सोमवार की देर शाम नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने लंबित आवेदनों की समीक्षा की थी। उन्होंने पाया कि अकेले नगर निगम में जन्म और मत्यु के प्रमाण पत्र के 178 आवेदन लंबित हैं। इसके अलावा नगर निगम से सदर तहसील में भेजे गए 700 आवेदन लंबित हैं। इन लंबित आवेदनों में कुछ ऐसे हैं जिनके लिए दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में आवेदन किया गया था उसके बाद भी निस्तारित नहीं हो सके।

पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने शुरू की तैयारियां, पीएम मोदी देंगे कई योजनाओं की सौगात

संवाददाता–गोरखपुर। अमृत भारत स्टेशनों के शिलान्यास के अलावा प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर रेलवे के 111 आरओबी और आयूबी का लोकार्पण भी कर सकते हैं। यह सभी आरओबी और आरयूबी आम लोगों की सुविधा के लिए बनकर तैयार हैं। डबल इंजन की सरकार ने 2024 के बजट में 202 रेलवे क्रासिंग पर रोड ओवरब्रिज (उपरिगामी या आरओबी) और रोड अंडरब्रिज (अधोगामी, आरयूबी या अंडरपास) बनाने के लिए पर्याप्त धन आवंटित कर दिया है। पीएम मोदी 26 फरवरी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से पूर्वोत्तर रेलवे सहित देशभर के चयनित अमृत भारत स्टेशनों का शिलान्यास और नवनिर्मित पुलों का लोकार्पण कर सकते हैं।इसके अलावा लखनऊ मंडल के महत्वपूर्ण गोमतीनगर स्टेशन का उद्घाटन भी कर सकते हैं। इसमें 32 अमृत भारत स्टेशन और 111 पुलों (रोड ओवर ब्रिज और अंडरब्रिज) भी हैं।रेलवे प्रशासन ने शिलान्यास, लोकार्पण और उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर युद्धस्तर पर अपनी तेज कर दी है। पूर्वोत्तर रेलवे में 505 के सापेक्ष अमृत भारत स्टेशन के लिए कुल 58 स्टेशन चिन्हित हैं। जिनमें गोरखपुर और देवरिया सहित 13 स्टेशनों का शिलान्यास प्रधानमंत्री स्वयं कर चुके हैं। 7 जुलाई 2023 को प्रधानमंत्री ने गोरखपुर जंक्शन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी। 5 अगस्त 2023 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बस्ती और देवरिया सहित 12 स्टेशनों की आधारशिला रखी थी। अमृत भारत स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए करीब 4355 करोड़ रुपये स्वीकृत हैं। सरकार ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए 1 फरवरी 2024 के बजट में 345.50 करोड़ रुपये का प्रविधान भी कर दिया है। गोरखपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अब और चिह्नित 32 अमृत भारत स्टेशनों के शिलान्यास की तैयारी तेज हो गई है। जिसमें आनंदनगर और खलीलाबाद स्टेशन भी शामिल हैं।

जानकारों का कहना है कि अमृत भारत स्टेशनों के शिलान्यास के अलावा प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर रेलवे के 111 आरओबी और आयूबी का लोकार्पण भी कर सकते हैं। यह सभी आरओबी और आरयूबी आम लोगों की सुविधा के लिए बनकर तैयार हैं। डबल इंजन की सरकार ने 2024 के बजट में 202 रेलवे क्रासिंग पर रोड ओवरब्रिज (उपरिगामी या आरओबी) और रोड अंडरब्रिज (अधोगामी, आरयूबी या अंडरपास) बनाने के लिए पर्याप्त धन आवंटित कर दिया है। मोदी सरकार पुलों के निर्माण में तेजी लाने के लिए 442.31 करोड़ रुपये तथा योगी सरकार ने रेलवे के उपरिगामीध्अधोगामी पुल निर्माण के लिए 1350 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। अब 1792.31 करोड़ रुपये से पुल निर्माण कार्यों में और तेजी आएगी। रेल मंत्रालय ने समपार फाटकों पर 36 आरओबी और 166 आरयूबी निर्माण की स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें गोरखपुर के पास नकहा जंगल 5 ए और 6 ए रेलवे क्रासिंग पर निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। मानीराम स्थित क्रासिंग नंबर 7 ए पर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। जल्द ही लाखों लोगों का आवागमन सुगम हो जाएगा। स्टेशनों पर झलकेगी क्षेत्रीय कला व संस्कृति अमृत भारत स्टेशनों का विकास आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर सिटी सेंटर के रूप में किया जाएगा। स्थानीय स्थापत्य कला एवं संस्कृति के अनुरूप स्टेशन भवन को आकर्षक स्वरूप प्रदान किया जाएगा। कायाकल्प के बाद स्टेशनों पर क्षेत्रीय कला और संस्कृति झलकेगी। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वेटिंग हाल एवं प्रसाधनों का निर्माण होगा। आवश्यकतानुसार लिफ्ट, एस्केलेटर के साथ 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का निर्माण होगा। स्टेशनों की सुंदरता के लिए आकर्षक फसाड लाइटिंग लगाई जाएगी। यात्रियों को उच्चस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

स्कूल के अभाव में पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हैं बालिकाएं

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शासन की मंशा सबके पढ़ने और आत्मनिर्भर बनने की है। सरकार का बालिकाओं की शिक्षा पर और उनको आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष जोर है। शासन की इस मंशा के विपरीत जिले के दो कस्बों में बालिका शिक्षा की माकूल व्यवस्था नहीं है। इससे लड़कियां प्राथमिक शिक्षा के बाद प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में पढ़ने अथवा पढ़ाई छोड़ कर घर बैठने को मजबूर हैं। ये कस्बे अशरफपुर किछौछा और इल्तिफातगंज हैं।

शासन की ओर से भले ही बालिका शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है मगर स्थानीय जन प्रतिनिधि इसके प्रति उदासीन हैं। जन प्रतिनिधियों की ओर से अपने निधि का अधिकांश धन निजी शिक्षण संस्थानों को दे दिया जाता हैं। खास बात यह है कि लगभग सभी पूर्व और वर्तमान जन प्रतिनिधियों का अपना खुद का शिक्षण संस्थान संचालित है। अपने शिक्षण संस्थानों को विकसित करने वाले जन प्रतिनिधि सरकारी स्कूल कालेज खोले जाने के प्रति उदासीन ही रहते हैं। शायद इसी का प्रतिफल है कि जिले के दो पुराने कस्बों नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा (बसखारी) और इल्तिफातगंज में प्राथमिक शिक्षा के आगे बालिकाओं की पढ़ाई के लिए कोई भी विद्यालय नहीं हैं।

जिले के कुल सात निकायों में से पांच काफी पुरानी नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा और इल्तिफातगंज हैं। बावजूद इसके इन दोनों निकायों में शिक्षा की माकूल व्यवस्था नहीं है। बालिकाओं की शिक्षा व्यवस्था सिफर है। खास बात यह है कि इन निकायों के बोर्ड ने भी सरकारी बालिका विद्यालय खोलने के लिए पहल करना तो दूर आज तक खास दिलचस्पी तक नहीं दिखाई हैं। दोनों पंचायत में राजकीय बालिका विद्यालय (जीजीआईसी) नहीं हैं। इससे इन दोनों शहरों की बालिकाओं को प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा ग्रहण करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। प्राइवेट स्कूलों की फीस दे पाना हर परिवार के लिए संभव नहीं होता है। ऐसे में अधिकांश परिवारों की लड़कियां कक्षा आठ के बाद पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं।

ओमकार गुप्ता, अध्यक्ष, नगर पंचायत ने कहा कि हमारी नगर पंचायत में बालिका शिक्षा की बेहतर व्यवस्था नहीं है। कम से कम जीजीआईसी की स्थापना कराना हमारी प्राथमिकता में हैं। जल्द ही निकाय बोर्ड की बैठक में बालिका विद्यालय खोलने का प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजेंगे।

माखन या मिट्टी, जो मिले प्रसन्नता से ग्रहण करना चाहिए

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

मुंडेरवा। स्थानीय थाना क्षेत्र के ग्राम दीक्षापार में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर कहा की भगवान ने भक्तों को आनंद देने के लिए अनेक माधुर्य भरी बाल लीलाएं की। सखाओं के साथ गोपियों के घर से खूब माखन चुरा के खाया। उक्त विचार महाकाल से पधारे महामृत्युंजय पीठाधीश्वर स्वामी प्रणव पुरी जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किया।

महाराज जी ने कहा की यूं कहें सबके घर भोग लगाने गए। महाराज जी ने कहा गोपिया भी कान्हा से अत्यंत प्रेम करती थी चाहती थी कि कृष्ण उनके घर का मखान खाएं ।माखन चोरी करते हुए एक बार प्रभु ने मिट्टी खाली। तब उनके शाखाओं ने यशोदा मैया से शिकायत कर दी । अर्थात जब आप माखन खाएंगे तो सब साथ रहेंगे लेकिन मिट्टी खाते समय कोई नहीं रहेगा किंतु हमको माखन मिले या मिट्टी दोनों को सहर्ष ग्रहण करना चाहिए। महाराज जी ने कहा की अर्थात सुख हो या दुख संपत्ति हो या विपत्ति दोनों का समान भाव से स्वीकार करना चाहिए ।भगवान ने वृंदावन में अनेक राजाओं का वध किया ।ब्रह्मा जी को भी मोहित कर दिया ।महाराज जी ने कहा कि ब्रह्मा जी ने क्षमा मांगी। वास्तव में प्रभु की कृपा का जो भी व्यक्ति प्रतिक्षण अनुभव करता रहता है वह भगवान के धाम का अधिकारी बन जाता है ।समस्या यह है कि हम लोग भगवान ने जो दिया है उसका धन्यवाद कम देते हैं जो नहीं मिला उसके लिए कोषते अधिक है। यह नहीं सोचते कि सबसे दुर्लभ मनुष्य शरीर देकर प्रभु ने कितनी बड़ी कृपा की है।मुख्य यजमान के रूप में रूप में कैप्न रमाकांत शुक्ल, श्रीमती चंद्रवती देवी, तथा परिवर के अन्य सदस्यों के साथ प्रवचन के समय उमाकांत शुक्ल, शशिकांत शुक्ल, अमित शुक्ल, शुक्ल, त्रिपुरारी पांडेय,राम अवध पांडे, रामचंद्र शुक्ल, चिंता हरण शुक्ल, मोहन शुक्ल मेवालाल शुक्ल, सहित तमाम महिला व पुरुष उपस्थित रहे। कथा के मुख्य आयोजक उमाकांत शुक्ल ने समस्त क्षेत्र वासियों से कथा श्रवण करने की अपील किया है।

बसपा ने ही जिले के लोगों को दी पहचान –विश्वनाथ

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। आलापुर विधानसभा के बभौरा गांव में बसपा का एक दिवसीय कैडर कैम्प आयोजन जिलाध्यक्ष सुनील सावंत गौतम की अध्यक्षता में हुआ। बतौर मुख्य प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल मौजूद रहे।

बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में एक बार फिर बसपा का सांसद बनाना है जिससे बसपा मुखिया का सपना साकार हो सके। जिला बनाने से लेकर विकास का रास्ता बसपा ने खोला था और इस जिले को प्रदेश में एक अलग स्थाना दिलाया जाएगा। जिलाध्यक्ष सुनील सावंत गौतम ने कहा की बसपा युवाओं के शिक्षा एवं रोजगार की ववस्था बहन जी ने किया। गरीबों, मजदूरों और किसानों की उन्नति के लिए लगातार संघर्ष किया जा रहा है। ग्राम प्रधान भौरा शादाब हैदर के नेतृत्व में सपा छोड़कर आए दर्जनों लोगों को बसपा की सदस्यता दिलाया गया। शामिल होने वालों में ग्राम प्रधान सुनील कुमार गौड़, मो. नफीस, मो. सिराज, मो. रहीम, मो. सजर, मो. एहसान, नक्कन हुसैन, गुलफाम आरजू, सहाबाज, अली हसन एवं अब्बास का नाम प्रमुख रूप से शामिल है। कैडर कैम्प को विशिष्ठ अतिथि केडी गौतम एवं जिला महासचिव दयानंद मौर्या ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में गुड्डू चौबे, जिला सचिव रमेश गौतम, हरिश्चंद्र गौतम, राकेश गौतम, छेदीराम मौर्या, दिनेश गौतम, मो. इरफात, मो. आशिफ गुलाम, राम सूरत, अंकित गौतम, राजकुमार सेठ, राम प्रकाश पाल, विजय बहादुर व अन्य मौजूद रहे।

असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ गैरजमानती वारंट

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के लगातार न्यायालय में हाजिर न होने पर सीजेएम श्रद्धा भारतीया ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही उन्हें 5 मार्च को न्यायालय में हाजिर होने का आदेश दिया है। ओवैसी पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने, धार्मिक भावनाएं आहत करने का मामला मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में चल रहा है।

ओवैसी के खिलाफ वादी राकेश प्रताप सिंह ने शोहरतगढ़ थाने में 153 क, 295क व 298 धाराओं में 2022 में केस दर्ज कराया था। मंगलवार को ओवैसी के अधिवक्ता माहताब हैदर ने न्यायालय में हाजिरी माफी का प्रार्थनापत्र दिया। वादी राकेश प्रताप सिंह ने आपत्ति की कि उच्च न्यायालय के स्थगन आदेश का प्रभाव पूर्व में समाप्त हो चुका है। सीजेएम ने पत्रावली का अवलोकन कर हाजिरी माफी प्रार्थनापत्र को खारिज कर दिया और असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। उन्होंने ओवैसी को 5 मार्च को न्यायालय में हाजिर होने का आदेश जारी किया है।

भाजपा सरकार ने सभी वर्ग के लिए किए कार्य -दयाशंकर मिश्र

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार ने सभी वर्ग के लिए कार्य किया, जबकि पिछली सरकारों ने सिर्फ भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया। वर्तमान में देश के चार करोड़ लोगों को आवास का लाभ मिला, हर व्यक्ति तक सभी योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है। ये बातें राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर मिश्र ने जोगिया के ग्राम करौंदा मसिना में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में कहीं। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि जिले को विकास का नया अयाम मिला रहा है, योजना का लाभ गरीबों किसानों मिलता है। पहले धर्म व जाति–पाति की राजनीति होती थी। आज प्रधानमंत्री केवल महिलाओं, किसान व गरीब के हित की बात कर रहे है। हर गांव में विकास के लिए विधायक सांसद मंत्री चौपाल के माध्यम से गांव में जाते हैं।

होटल और रेस्त्रां पर भी मिलेगी श्री अन्न की रेस्पी

संवाददाता–संतकबीरनगर। श्री अन्न (ज्वार, बाजरा, सांवां, कोदो मडुआ और रागी) इन अनाजों का प्रयोग कर भोजन को रोचक और टेस्टी बनाने के लिए गृहणियों से लेकर होटल संचालकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। यही नहीं इसके लिए प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। बेहतर रेस्पी बनाने वालों को बेस्ट रेसपी का एवार्ड भी दिया जाएगा। शासन की मंशा है कि मिलेट्स के प्रति लोगों का लगाव बढ़े। इन अनाजों के गुणों के बारे में लोगों को बताया जा रहा है। अब अनाज के प्रति लोगों का लगाव किताबी नहीं अपितु प्रैक्टिकल के रूप में होने जा रहा है। श्री अन्न की टेस्टी रेस्पी के लिए प्रतियोगिता का आयोजन होगा। गृहणियों से लेकर होटल संचालक तक इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। ताकि घर के बाहर भी होटलों पर इस गुणकारी अनाज के पकवान बन सकें और लोग इस प्रकार के भोजन से होने वाले लाभ के बारे में जान सकें। श्री अन्न के लिए आयोजित प्रतियोगिता में कृषक उत्पादक संगठन प्रतिभाग करेंगे। इसके अलावा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। स्कूली बच्चियां भी मिलेट्स की प्रतियोगिता में शीर्षस्थ स्थान पाने के लिए प्रतिभाग करेंगी। इसके अलावा होटल के संचालकों भी शामिल किया गया है। इन चारों श्रेणियों की आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वालों को पांच हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। द्वितीय स्थान पाने वालों को साढ़े तीन हजार और तृतीय स्थान पाने वालों को ढाई हजार रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

गोरखपुर शहर में चार जगहों पर शुरू होगा चार्जिंग स्टेशन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के चार्जिंग के लिए नौ स्थानों पर इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन बनाए जाने का काम शुरू हो गया है। गोरखपुर विकास प्राधिकरण एवं अदाणी समूह की कंपनी मेसर्स अदाणी टोटल एनर्जीज ई–मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल) ने महानगर में चार स्थानों पर फाउंडेशन निर्माण के साथ बिजली विभाग में 60–60 किलोवॉट के चार ट्रांसफार्मर एवं विद्युत कनेक्शन के लिए आवेदन भी कर दिया है। इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग मशीनें भी प्राधिकरण कार्यालय में पहुंच चुकी हैं। फरवरी के अंत तक यह चार चार्जिंग स्टेशन शुरू होने जाने की उम्मीद है। इस पूरी परियोजना पर एटीईएल दो करोड़ रुपये का निवेश करेगा। मेसर्स अदाणी टोटल एनर्जीज ई–मोबिलिटी लिमिटेड (एटीईएल) के निदेशक विवेक आनंद ने प्राधिकरण को नौ स्थानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन बनाने का प्रस्ताव दिया था। जिसके अनुपालन में प्राधिकरण 10 साल (2033 तक) के लिए महानगर में नौ स्थानों ईवी चार्जिंग स्टेशन के लिए एटीईएल को सौंप चुका है। प्राधिकरण के प्रभारी मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया प्राधिकरण एवं एटीईएल के साथ अनुबंध की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। एटीईएल ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना, संचालन और उसके रखरखाव करेगी। बिजली का कनेक्शन भी वही लेंगे। एटीईएल की तरफ से फिलहाल गोरखपुर विकास प्राधिकरण, पैड़लेगंज सुलभ शौचालय, मल्टी लेवल पार्किंग गोलघर और गोरखपुर हाट पार्किंग सिटी माल के सामने फाउंडेशन का काम चल रहा है। एटीईएल के अमित मिश्रा ने बताया कि बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन कर चुके हैं। इस्टीमेट मिलते ही कनेक्शन एवं ट्रांसफार्मर की धनराशि जमा करा देंगे। दो स्थानों मल्टीपरपज कॉम्पलेक्स सेल्स टैक्स ऑफिस तारामंडल और लोहिया इंक्लेव आवासीय योजना में क्रमशरू सेल्स टैक्स कार्यालय एवं आरडब्ल्यूए की ओर से दिक्कत आ रही है जिसका समाधान निकालने में प्राधिकरण जुटा हुआ है। जीडीए उपाध्यक्षआनंद वर्द्धन ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती चुनौतियों के बीच इलेक्ट्रिक व्हीकल पर निर्भरता और आकर्षण दोनों बढ़ रहा है। ऐसे वाहनों को लोकप्रिय बनाने के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना को बढ़ावा देना होगा। उम्मीद है कि इसी माह कम से कम चार ईवी स्टेशन सेवाएं देने लगेंगे। शेष मार्च तक लगा दिए जाएंगे।

बिजली दफ्तरों से 958 चेक 'लापता', सात करोड़ रुपये का हिसाब ही नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। बिजली निगम में बकाया बिल जमा करने के लिए दिए गए 958 चेकों का अब तक हिसाब नहीं मिल पाया है। ये चेक वर्ष 2016 से 2020 के बीच के हैं। लगभग सात करोड़ रुपये के इस गोलमाल की आशंका है। सबसे अधिक 380 चेक गोरखपुर ग्रामीण खंड प्रथम के हैं। पावर कारपोरेशन के निदेशक वित्त एसके जाड़िया ने गोरखपुर जोन प्रथम और द्वितीय के मुख्य अभियंता को पत्र भेजकर इन चेकों के बारे में जानकारी मांगी है।

पूर्वांचल वितरण निगम के निदेशक वित्त ने गोरखपुर, प्रयागराज, बस्ती और वाराणसी मंडल में खंडों के बैंक समाधान विवरण की समीक्षा की। इस दौरान पता लगा कि करीब एक हजार उपभोक्ता ऐसे हैं, जिन्होंने वर्ष 2016 से 2020 के बीच अपने बकाए चेक के माध्यम से जमा किए हैं और उसके आधार पर निगम के रिकॉर्ड में बकाया शून्य हो गया है, लेकिन उन चेकों का भुगतान नहीं हुआ है। मामले में गोलमाल की आशंका को देखते हुए जांच शुरू कराई गई।

बिजली निगम के कुछ खंड ऐसे भी हैं, जहां यह ही नहीं पता कि जो चेक लापता हैं, वह किन उपभोक्ताओं के थे और निगम के रोकड़ बही में दर्ज किए गए थे या नहीं। चर्चा है कि सभी चेक बिजली बकाया भुगतान मद में जमा हुए और बाउंस हो गए। चेक बाउंस होने के बाद भी बकाएदारों के बिल भुगतान मान लिए गए। बकाएदारों ने बिल भुगतान की रसीद के माध्यम से अपने कनेक्शन भी परमानेंट डिस्कनेक्ट करा लिए।

अकेले गोरखपुर ग्रामीण खंड प्रथम में कुल 739 चेक लापता हुए थे। एक वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी अभी तक खंड में सिर्फ 359 चेक का रिकॉर्ड मिल सका है। अभी भी करीब चार करोड़ रुपये और 380 चेक लापता ही हैं। सूत्र बताते हैं कि खंड दफ्तर के जिम्मेदारों ने चेक की रकम से बड़ा खेल किया था। किसी भी बकाया बिल पर बिचौलिए की तरफ से बकाएदार के नाम और कनेक्शन नंबर से निगम दफ्तर में चेक जमा कर दिया जाता था। उस कनेक्शन नंबर पर भुगतान की पर्ची कट जाती थी और सर्वर से भी भुगतान के साथ बकाए की रकम को हटा दिया जाता था। इसके आगे का बिल उस कनेक्शन नंबर पर चार्ज ही नहीं होता था। बिचौलिए और बिजली निगम की सांठगांठ में बकाए की रकम को निपटा दिया जाता था। बकाया शून्य होने पर पीडी भी करवा दिया जाता था, ताकि बाद में मामला सामने न आए। निदेशक वित्त ने कुशीनगर में स्पेशल ऑडिट के लिए मुख्य अभियंता को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि रोकड़ बही में उपभोक्ता के भुगतान के सापेक्ष गलत सूचना अंकित पाई गई है। प्राप्त चेकों से दो बार भुगतान किए जाने का रिकॉर्ड मिला है। रोकड़ बही में बिलों के समाधान के सापेक्ष किसी संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के हस्ताक्षर भी नहीं मिले हैं। ऐसे में 2016 तक और 2020 तक खंड में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों की नामावली उपलब्ध कराई जाए और स्पेशल ऑडिट की जाए। मुख्य अभियंता आशु कालिया ने बताया कि निदेशक वित्त ने गोरखपुर के दोनों जोन में अनकैश और स्टेल चेकों के लिए पत्र लिखा है। खंडवार अनिवार्य रूप से रोकड़ बही से पूरा हिसाब कर रिपोर्ट तैयार करने के लिए अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया गया है। रिपोर्ट तैयार होते ही भेज दिया जाएगा।

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा–63 अनुसूची–5 प्रपत्र सं0–1)

न्यायालय– श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला–बस्ती

भरण पोषण वाद सं0 359/11/2022
थाना–कोतवाली, जिला–बस्ती

वन्दना पाण्डेय
बनाम
विवेक मिश्रा

तारीख पेशी 23–02–2022
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 दंड प्रक्रिया संहिता

विपक्षी–विवेक मिश्रा उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र उमापति मिश्रा निवासी ग्राम बड़वारे पोस्ट सिल्लो थाना लालगंज जनपद–बस्ती, वर्तमान पता 127 अकबर रोड डालमिया हाऊस पोस्ट संसद मार्ग थाना तुगलक रोड पुलिस स्टेशन नई दिल्ली 110001

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 02 मास के 23 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 2024 ई0 मास 02 के 13 दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) त्वरित न्यायालय प्रथम संतकबीरनगर

मूलवाद सं0 926/2018

ओमप्रकाश
बनाम
अरूण कुमार आदि

1. अरूण कुमार पुत्र रामदरश 2. विमल कुमार पुत्र रामदरश 3. श्रीमती विहफी देवी पत्नी रामदरश 4. श्रीमती सबिता देवी पत्नी अरूण कुमार साकिनान मौजा गागरगांड़ पोस्ट धनघटा तप्पा महुली परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 6. सत्य प्रकाश पुत्र रामचेत 7. श्रीमती बुधना देवी पुत्री रामचेत साकिनान मौजा गागरगांड़ पोस्ट धनघटा तप्पा महुली परगना महुली पूरव तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर 11. बालेन्द यादव पुत्र अज्ञात साकिन मौजा डड़वा पोस्ट डड़वा बाजार तहसील खजनी जिला गोरखपुर

तारीख पेशी 28–02–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 02 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

बादलों की मौजूदगी से चढ़ा न्यूनतम पारा, हल्की बूंदाबांदी

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वी यूपी में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आसमान में बादल छाए हुए हैं। बादलों की मौजूदगी के कारण न्यूनतम तापमान में इजाफा हुआ है। हालांकि मौसम में इस बदलाव से अधिकतम तापमान में गिरावट हो सकती है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस अधिक है। बीते 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस से अधिक का इजाफा हुआ है । मंगलवार को न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस था। मंगलवार से आसमान में छाए बादल बुधवार को भी मौजूद रहे। तड़के हल्के बूंदाबांदी हुई।

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com